● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 285, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार , 02 दिसम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

पीएम पानीपत में बीमा सखी योजना शुरू करेंगे 5

टीम इंडिया के लिए रोहित ने दी बड़ी कुर्बानी! 6

चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी : नड्डा

एड्स की जंग को जीतने में समाज के सभी वर्ग सक्रियता से करें सहयोग : डॉ. यादव

भोपाल। केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रविवार को इंदौर में विश्व एड्स दिवस का राष्ट्रीय आयोजन हुआ। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ भारत में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जा रही है। इसमें आशातीत सफलता भी मिल रही है। देश में एचआईवी/एड्स नियंत्रण के लिये संकल्पबद्ध होकर तेजी से प्रयास किये जा रहे है। इसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे है। एचआईवी/एड्स प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा की जा रही है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा 2017 से एचआईवी/एड्स नियंत्रण

के लिये तेजी से प्रयास शुरू किये गये हैं।

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सभी का सहयोग जरूरी है। एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों को मौलिक अधिकारों के साथ उन्हें मानव अधिकार भी प्राप्त हो। उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। हमें उनके अधिकारों का सम्मान करते हुए उन्हें भी वहीं मान-सम्मान देना चाहिए, जो अन्य सामान्य व्यक्ति को हम देते हैं, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी लाने और मृत्यु की संख्या को कम करने के लिये सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किये है। यह लक्ष्य वर्ष 2030 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने समाज के सभी वर्गों का आहवान किया कि वे इस दिशा में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पुन: संकल्प बद्ध होकर नई ऊर्जा और नई स्फूर्ति से जुट जाये। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम-2017 लागू किया गया। इस अधिनियम के माध्यम से एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। इस अधिनियम से एचआईवी/एड्स से संक्रमित और प्रभावित व्यक्तियों के कानूनी और मानवाधिकारों को सुदृढ़ बनाया गया है। यह अधिनियम स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स से प्रभावित व्यक्तियों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं, इलाज, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में नयी पहचान कायम की है। कोरोना प्रबंधन हो या अनेक संक्रामक बीमारियों के इलाज के लिये टीकों और दवाईयों की खोज हो, देश का विश्व में अग्रणी स्थान बना है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में मध्यप्रदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश देश में इस क्षेत्र में अग्रणी है। मध्यप्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज खोले गये है। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में देश में सबसे आगे है और सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कमजोर पड़ा चक्रवात फेंगल

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान फेंगल पुडुचेरी के पास तट से टकराने के बाद रविवार को शांत पड़ गया। इस चक्रवात ने अपने प्रभाव से केंद्र शासित प्रदेश को अस्त व्यस्त कर दिया। बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को बचाने के लिए सेना के जवानों को आगे आना पड़ा। लोगों ने बताया कि पिछ्ले तीन दशक से उन्होंने ऐसा प्रकोप नहीं देखा। तमिलनाडु के विल्लुपुरम मे भी भारी बारिश ने तबाही मचा दी। मुख्यमंत्री एमके सेटालिन ने जिले में बारिश को अभूतपूर्व करार दिया। शनिवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर परिचालन निलंबित कर दिया गया था, लेकिन आधी रात को फिर से शुरू कर दिया गया। कई उड़ाने रद्द भी हो गईं वहीं कई ने देरी से उड़ान भरी। मौसम कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुदुचेरी के ऊपर चक्रवाती तूफान फेंगल अब कमजोर हो गया। अब इसके पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान उत्तरी तमिलनाडु पर कमजोर होकर दबाव में बदलने की संभावना है।

हमारी लड़ाई देश की आत्मा के लिए : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने रविवार को वायनाड के मनंतवाडी में एक रैली की। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर करके उसे अपने व्यापारी मित्रों के हवाले कर रही है। प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस अपने राष्ट्र की भावना के लिए लड़ रही है। मनंतवाडी में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं जो हमारे देश की नींव पर बनी संस्थाओं को नष्ट करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने लोगों के साथ रहने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर

आगे बढ़ने का वादा किया।

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, आपके प्यार, समर्थन और मुझे अपना सांसद बनाने के लिए आपका धन्यवाद। यूडीएफ कार्यकर्ताओं ने मेरी जीत के लिए बहुत मेहनत की। मैं उन सभा का धन्यवाद करती हूं।

बता दें कि प्रियंका गांधी वायनाड की दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरे में राहुल गांभी भी उनके साथ हैं। शनिवार को प्रियंका ने तिरुवंबाडी के मुक्कम, निकंबूर के कौलाई, कोझीकोड के वंदूर और एडवन्ना और मलप्पुरम में आयोजित रैलियों में हिस्सा लिया। उन्होंने वायनाड उपचुनाव में 4,10,931 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।

मैंने बिना शर्त भाजपा नेतृत्व को दिया समर्थन: शिंदे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सभी को नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के नाम का इंतजार है। इन सबके बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अचानक सतारा जाने पर कई सवाल खड़े हो रहे थे। जिसके बाद आज एकनाथ शिंदे ने खुद के सतारा जाने की वजह बताई है। एकनाथ शिंदे ने कहा, व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था, मैंने सीएम के तौर पर अपने 2.5 साल के कार्यकाल में कोई छुट्टी नहीं ली। इसी वजह से मैं बीमार हुआ, हालांकि मैं अब ठीक हूं। उन्होंने आगे कहा- लोग मुझसे मिलने के

लिए यहां आते हैं, यह सरकार लोगों की बात सुनेगी। राज्य के कार्यवाहक सीएम ने राज्य में सरकार के गठन को लेकर कहा कि, मैंने पार्टी (भाजपा) नेतृत्व को बिना शर्त समर्थन दिया है और मैं उनके फैसले का समर्थन करूंगा। पिछले 2.5 सालों में हमारी सरकार के काम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। यही वजह है कि लोगों ने हमें ऐतिहासिक जनादेश दिया है और विपक्ष को विपक्ष का नेता चुनने का मौका नहीं दिया। शिंदे ने कहा, महायुति के तीनों सहयोगी दलों में अच्छी समझ है... सीएम उम्मीदवार का फैसला कल होगा। राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने अकेले 132 सीट, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है।

भोपाल से शुरू हुई गोवा के लिए फ्लाइट

भोपाल। राजधानी भोपाल से गोवा और गोवा से भोपाल आना जाना बेहद आसान होने वाला है, क्योंकि इंडिगो एयरलाइंस कंपनी ने रविवार को भोपाल टू गोवा की फ्लाइट शुरू कर दी है। यात्री अब भोपाल से गोवा तक का सफर महज एक घंटा 50 मिनट में पूरा कर सकेंगे। भोपाल सांसद आलोक शर्मा में इसका शुभारंभ किया है। इसकी बुंकिंग भी शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार यह फ्लाइट सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। न्यूनतम किराया 5 हजार से 5500 रुपए के बीच होगा।

स्वतंत्रता के बाद की कहानियों में हुआ हेरफेर

धनखड़ बोले- केवल चुनिंदा लोगों को दिया गया श्रेय

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को दुख जताया कि भारत की इतिहास की किताबों में स्वतंत्रता संग्राम के कुछ नायकों के साथ अन्याय हुआ है, क्योंकि स्वतंत्रता के बाद की कहानियों में हेरफेर करके केवल चुनिंदा व्यक्तियों को श्रेय दिया गया।

उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए बिना किसी लाग-लपेट के ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य है। उपराष्ट्रपति ने किसानों से बातचीत और समझ के

माध्यम से समस्याओं के समाधान के लिए काम करने का भी आह्वान किया। राजा महेंद्र प्रताप की 138वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश अपने इतिहास को उन लोगों को कृपालु, चाटुकार, श्रेय देकर पोषित नहीं कर सकता, जिन्होंने निश्चित रूप से भूमिका निभाई, लेकिन दूसरों ने जो भूमिका निभाई, उसे नहीं। हम अपने नायकों को छोटा नहीं होने दे सकते। 22 नवंबर 1957 को लोक सभा में राजा महेन्द्र प्रताप एक प्रस्ताव लाए कि हमें वीर सावरकर, वीरेंद्र कुमार घोष और डॉ. भूपेन्द्रनाथ दत्त को सम्मनित करना चाहिए, क्योंकि उन्होंने देश के मामलों और आज़ादी में बहुत बड़ा योगदान किया है। वहीं किसानों का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हमें याद रखना होगा कि हम अपने लोगों से नहीं लड़ते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी

कोलकाता। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्ध और जैन समुदाय पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब इन हमलों के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत इस्कॉन से जुड़े चार ब्रह्मचारियों को भी बांग्लादेश की सरकार ने गिरफ्तार कर लिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनकी सुरक्षा के लिए दुनिया भर के इस्कॉन मंदिरों में रविवार को विशेष प्रार्थना आयोजित की गई। बांग्लादेश मुद्दे पर इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी के कमिश्नर गौरांग दास ने कहा कि, जो कीर्तन हम हर रविवार को आयोजित करते हैं, वह आज बांग्लादेश के सभी भक्तों और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किया गया।

माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित

प्रदेश का आठवाँ टाइगर रिजर्व होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शिवपुरी जिले के माधव नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की तकनीकी समिति ने माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रदेश का आठवाँ टाइगर रिजर्व होगा।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-जीव) श्री एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने प्रस्तावित बाघ अभयारण्य का कोर क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर, बफर क्षेत्र 1276 वर्ग किलोमीटर और कुल क्षेत्रफल 1751 वर्ग किलोमीटर होगा। समिति ने राष्ट्रीय उद्यान में एक नर और एक मादा बाघ को छोड़ने की भी मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित करने के लिये प्रस्ताव भेजा गया था।

नायडू सरकार ने भंग किया वक्फ बोर्ड

जगन सरकार के समय के आदेशों को भी किया रद्द

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। चंद्रबाबू नायडू सरकार ने पिछली जगन मोहन सरकार द्वारा गठित वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। आंध्र के कानून और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एन. मोहम्मद फारूक ने कहा कि इस संबंध में आदेश शनिवार को जारी किए गए। आंध्र प्रदेश सरकार अब एक नया वक्फ बोर्ड का गठन करेगी। नई सरकार ने पिछले प्रशासन द्वारा जारी जीओ-47 को रद्द करते हुए जीओ-75

जारी किया। 30 नवंबर के आदेश में राज्य सरकार ने कहा है कि वाईएसआरसी शासन द्वारा गठित एपी राज्य वक्फ बोर्ड लंबे समय से (मार्च 2023 से) निष्क्रिय है। उस समय गठित वक्फ बोर्ड में कुल 11 सदस्य थे, जिनमें से तीन निर्वाचित थे और बाकी आठ मनोनीत थे। विशेष रूप से आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 1 नवंबर, 2023 को राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव पर रोक लगा दी थी, क्योंकि बोर्ड के गठन की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली एक याचिका दायर की गई थी। आदेश में आगे लिखा गया है, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एपी राज्य वक्फ बोर्ड, विजयवाड़ा ने सरकार के ध्यान में बोर्ड के लंबे समय से निष्क्रिय रहने और मुकदमों को हल करने और प्रशासनिक शून्यता को रोकने के लिए जीओएम नंबर 47 की वैधता पर सवाल उठाने वाली रिट याचिकाओं के लंबित रहने की बात लाई गई है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने कहा कि सभी पहलुओं और उच्च न्यायालय के आदेश पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद राज्य सरकार 21 अक्टूबर, 2023 की तारीख वाले सरकारी आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लेती है।

नवंबर में 1.82 लाख करोड़ रुपये का हुआ जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में सकल जीएसटी संग्रह 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। जीएसटी संग्रह बढ़ने के पीछे की वजह घरेलू लेनदेन के कारण मिला अधिक राजस्व है।

रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपये, एकीकृत

आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये और उपकर 13,253 करोड़ रुपये रहा।नवंबर में कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.68 लाख करोड़ रुपये था।

संभल जाएगा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल: खरगे

नई दिल्ली। संभल में हुई हिंसा को लेकर विपक्षी दल उत्तर प्रदेश सरकार पर हमलावर हैं। रविवार को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल संभल में लोगों से मिलने जाएगा। इससे पहले शनिवार को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने संभल जाने की कोशिश की थी। जिसे पुलिस ने रोक दिया था।

दिल्ली में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे से पूछा कि, क्या कांग्रेस का कोई प्रतिनिधिमंडल संभल जाएगा? इस पर खरगे ने कहा कि, हां प्रतिनिधिमंडल जाएगा।

दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी आप

केजरीवाल ने किया बड़ा एलान; त्रिकोणीय हुई लड़ाई

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। हरियाणा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस के साथ आप का गठबंधन नहीं होगा। आप के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधकर करके देख चुके हैं। लोकसभा में कांग्रेस के साथ गठबंधन से कोई फायदा नहीं हुआ था। इसके बाद हरियाणा में सीटों के झगड़े को लेकर गठबंधन नहीं हो सका था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी, इसके संकेते तो हरियाणा चुनाव के वक्त ही मिल गए थे, जब सीटों को लेकर कांग्रेस और आप के बीच मामला फंस गया था। लोकसभा चुनाव के दौरान आप और कांग्रेस ने दिल्ली और हरियाणा में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। दिल्ली में तब भाजपा ने सात सीटें जीती थी। वहीं आप दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा में भी अपना खाता नहीं खोल पाई थी। अब विधानसभा चुनाव को लेकर आप ने साफ कर दिया कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी।

जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय : मोहन भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चला जाता है तो वह समाज धीरे-धीरे पृथ्वी से लुप्त होने की कगार पर होता है। भागवत ने आगे कहा कि दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। हालांकि, उनके इस बयान पर विपक्ष ने प्रतिक्रिया दी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज पृथ्वी से लुप्त

हो जाता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है। इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्ट हो गए। जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। समाज को जीवित रखने के लिए संख्या महत्वपूर्ण है। मोहन भागवत के बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से मोहन भागवत जो कुछ कहते हैं, उससे भाजपा को असहज हो जाती है। पिछली बार भी जब मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद में मंदिर क्यों ढूंढना, तब भी भाजपा के पास कोई जवाब नहीं था। भाजपा पूरे देश की जनसंख्या को लेकर राजनीति कर रही है। कांग्रेस नेता उमंग सिंघर ने भी मोहन भागवत के बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, जो पहले से हैं उनको तो नौकरियां दिलवा दो, नौकरियां है नहीं, फसल की जमीन कम हो रही हैं। मोहन भागवत चाहते हैं कि दो से ज्यादा बच्चे हों। देश में बेरोजगारी बढ़ रही हैआज के युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही फसल की जमीने कम होती जा रही है जबकि जनसंख्या बढ़ती जा रही है। मोहन भागवत चीन से सीख नहीं ले पा रहे और वो जनसंख्या के मामले में देश को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा सुझाव है कि मोहन भागवत, पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुरुआत करनी चाहिए। इन्हें जनसंख्या की इतनी चिंता है तो शुरुआत भी इन्हीं से होनी चाहिए। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, भागवत जी कहते हैं कि जनसंख्या बढ़ानी चाहिए, लेकिन क्या वह यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चों को कुछ फायदा मिले? क्या वह गरीब परिवारों को हर महीने 1500 रुपये देंगे? मोहन भागवत के बयान पर देशभर में बहस तेज हो गई।

सरपंच सचिव खा गए सीएसआर मद की पंद्रह लाख की पुलिया

राशि आहरित, पुलिया स्थल से गायब, जनपद पंचायत देवसर के बूढ़ाडाण पंचायत का मामला

सिंगरौली

जनपद पंचायत देवसर के ग्राम पंचायत बूढ़ाडाण सरपंच एवं सचिव नागेश्वर साहू के ऊपर गंभीर आरोप लगाये जा रहे हैं ग्राम वासियों ने बताया कि पंचायत के बैगान बस्ती गड़िया टोला में कागज पर दो पुलिया का निर्माण हुआ है तथा राशि भी आहरित हो चुकी है लेकिन स्थल पर सिर्फ एक ही पुलिया बनी है दूसरी पुलिया कहीं भी नजर नहीं आ रही है, बताया गया कि सीएसआर मद की पुलिया जो करीब 15 लख रुपए में बनी है उसका निर्माण सिर्फ कागजों पर ही कराया गया है दूसरी पुलिया 15 वां वित्त से बनी जरूर है लेकिन उस पुलिया के निर्माण में भी जमकर गुणवत्ता की चोरी की गई है।

ग्राम वासियों ने बताया कि पंचायत में बैगान बस्ती के गढ़िया टोला में एक पुलिया सीएसआर मद से भी कागजों पर बनाया गया है करीब 15 लख रुपए आहरित हो चुके हैं लेकिन स्थल पर पुलिया नजर नहीं आ रही है ऐसे में आरोप लगाए जा रहे हैं कि सरपंच सचिव द्वारा सिर्फ कागजों पर पुलिया का निर्माण करा कर समस्त राशि आपस में बंदर बांट कर ली है।बैगान बस्ती में दूसरी पुलिया जो 15 वां वित्त की बनी हुई है उसमें भी गुणवत्ता की व्यापक पैमाने पर चोरी की गई है अभी हाल ही में पिछले वर्ष बनी पुलिया जो पूरी तरह से धराशाई होने की स्थिति में है , बताया गया की पुलिया इतनी कमजोर है कि ट्रैक्टर इत्यादि वहां यदि पुलिया से गुजरेंगे तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है ग्राम वासी पैदल भी पुलिया से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं।ग्राम वासियों का आरोप है कि सरपंच सचिव ने बैगान बस्ती में सिर्फ एक पुलिया का निर्माण करा कर दो , दो पुलिया के नाम पर अलग-अलग मद से राशि आहरित कर ली है बताया गया कि एक पुलिया के नाम से सीएसआर मद से करीब 15 लख रुपए खर्च किए गए वहीं 15 वां वित्त से भी एक पुलिया के नाम पर राशि आहरित हुई है जबकि स्थल पर दूसरी पुलिया कहीं भी नहीं बनी है

उपयंत्री ने हवा में कर दिया मूल्यांकन

जिस तरह से बैगान बस्ती में सी एस आर मद की पुलिया का निर्माण नही हुआ है और राशि खर्च हो गई है ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है कि उपयंत्री ने फिर किस पुलिया का मूल्यांकन किया है जब स्थल पर पुलिया का निर्माण हुआ ही नहीं है ऐसे में तो यही कहा जाएगा कि उपयंत्री ने हवा में मूल्यांकन कर दिया है।

प्रदूषण की चपेट मे अब आएगा सरई इलाका, बेखबर विभाग

सिंगरौली। जिला मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर स्थित सरई (सरईग्राम) में कोयला लोडिंग अनलोडिंग के कारण आने वाले समय में सरई क्षेत्र भी प्रदूषण की चपेट में आ जाएगा। सरई ग्राम रेलवे स्टेशन पर कोयला परिवहन की लगभग सभी तैयारियां पूर्ण होने वाला है। जिसके पूर्ण होते ही कोयला साइडिंग का कार्य चालू हो जाएगी। सरई क्षेत्र की भोली भाली जनता प्रदूषण के दुष्प्रभाव से अनभिज्ञ हैं। मौजूदा वक्त में बैढ़न सिंगरौली का प्रदूषण माप दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों से भी अधिक है। जो सिंगरौली वासियों के लिए चिंता का विषय है। सरई क्षेत्र की सभी पार्टियों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व सभी समाजसेवियों को आपस में मिलकर प्रदूषण से बचाव के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है।

मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

शत प्रतिशत ईमानदारी से काम करने पर पीड़ित एवं हितग्राहियों को जो संतुष्टि मिलती है वहीं कर्मचारियों का आनंद है : ऋषि नारायण

सिंगरौली। प्रदेश अंतर्गत कार्यरत शासकीय आशा की संस्थाओं में सभी लोक सेवक मन लगाकर के कार्य करें उत्साह एवं उमंग के साथ कार्य करें स्फूर्ति और मुस्कुराहट के साथ कार्य करें ताकि संबंधित कार्यालय में जाने वाले पीड़ित पक्षकार हितग्राही लोक सेवक के चेहरे की हंसी को देखकर उत्साह को देखकर मुस्कुराहट को देखकर बड़े ही विश्वास के साथ अपने कार्य को करने में विश्वसनीयता अर्जित करें साथ ही दोनों में संतुष्टि बनी रहे समन्वय बना रहे जिसको मद्देनज़र रखते हुए शासकीय जगन्नाथ सिंह स्मृति महाविद्यालय चितरंगी में

मध्यप्रदेश आनंद विभाग द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला में चितरंगी तहसील अंतर्गत जनता के दिलों पर राज करने वाले जो किसी परिचय के मोहताज नहीं ऐसे राजस्व अधिकारी तहसीलदार चितरंगी ऋषिनारायण सिंह के उपस्थिति में जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद जिला सिंगरौली राजकुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में ब्लाक समन्वयक प्रभुदयाल दाहिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। वहीं नवांकुर संस्था परामर्शदाताओं व राजस्व विभाग के हल्का पटवारी,जनपद पंचायत चितरंगी के ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, महिला बाल विकास परियोजना चितरंगी के पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उक्त कार्यक्रम में सहभागिता निभाकर सफलता की ओर ले जाने का एक अनूठा उदाहरण पेश किया है। बताते चलें कि आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर संजय पांडेय,प्रतिभा कटारे ने सभी शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों को आनंद की अनुभूति करने केलिए एक दिवसीय कार्यशाला का आनंद से कार्य करने एवं आनंद से जीवन शैली जीने की कला को भी बताया,जहां उपस्थित सभी ने उक्त कार्यशाला में भाव विभोर होकर बताए गए तथ्यों को श्रवण कर तालियों की गूंज से स्वागत किया।

खेतों से मोटर पंप की चोरी का नहीं थम रहा सिलसिला,सरई थाना क्षेत्र चोरों का आतंक

सिंगरौली। जिले के सरई में सिंचाई के लिए लगे मोटर पंप सेट की चोरी की लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन चोर मोटर पंप गायब कर देते हैं। इसने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई किसान रतजगा कर रहे हैं। दिन प्रतिदिन चोरी की बढ़ती घटनाओं से किसानों को आर्थिक एवं मानसिक परेशानी उठानी पड़ रही है। सरई नगर परिषद व समस्त ग्राम पंचायतों में मोटर पंपसेट चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। प्रत्येक सप्ताह तीन से चार मोटर पंपसेट की चोरी हो रही है।

बताया जाता है कि नवंबर महीने की बात करें तो करीब एक दर्जन मोटर पंपसेट की चोरी हो चुकी है। चोरों ने खेतों में लगे मोटर पंप सेट की चोरी की ही,सरकारी स्कूल में लगे पंप भी गायब कर दिए। हालांकि इन मामलों में पीड़ित लोग थाने में कम ही शिकायतें दर्ज कराते हैं। इस कारण चोरों का मनोबल बढ़ गया है। किसानों का कहना है। कि थाने में शिकायत के पचड़े में पड़ना ठीक नहीं रहता। इसलिए हम लोग मन मसोस कर रह जाते हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन आए दिन हो रही चोरी में अंकुश लगाने में नाकाम दिख रही है मोटर पंपसेट चोरी होने का एक नया मामला प्रकाश में आया है जहां सरई बाजार के पीछे वाली रोड में अमहा वार्ड क्रमांक 13 में राजेश जायसवाल पिता रमेश जायसवाल का मोटर सेट समर्सिबल पंप दरमियानी रात को चोरों ने पर कर दिया इन मामलों में शामिल चोरों का सुराग पता नहीं चल रहा है।

कलेक्टर ने सर्वेयर को दिया खनिज निरीक्षक का प्रभार

हाई कोर्ट ने लगाई फटकार, नेता प्रतिपक्ष ने कहां सीएम की नहीं सुनते अफसर

सिंगरौली। अजब सिंगरौली के गजब कारनामें अक्सर देखने और सुनने को मिलता है। अब कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने नियम विरुद्ध आदेश जारी कर एक सर्वेयर को खनिज निरीक्षक का प्रभार दे दिया। इसके खिलाफ असिस्टेंट माइनिंग ऑफिसर डॉक्टर वीके तिवारी उच्च न्यायालय की शरण में गए। मामले को गंभीरता से सुनते हुए न्यायाधीश ने असिस्टेंट माइनिंग ऑफिसर डॉक्टर वीके तिवारी को स्थगन दिया वहीं जिम्मेवारों को नोटिस देकर जवाब मांगा हैं। अब इस मामले को लेकर नेता-प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भ्रष्टाचार को सरकारी संरक्षण का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार को घेरने हुए ट्वीट किया है।

सूत्र बताते है कि पिछले दिनों जिले के प्रभारी मंत्री संपत्तियां उइके के अनुमोदन से सर्वेयर मुनेंद्र सिंह को खनिज निरीक्षक बनाते हुए सरई और माड़ा का प्रभार दे दिया गया। जबकि हटायें गए सहायक खनिज निरीक्षक डॉक्टर वीके तिवारी को चितरंगी क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। कलेक्टर के इस आदेश से सहायक खनिज अधिकारी डॉक्टर वीके तिवारी असहमत थें। उन्होंने कहा कि मेरा प्रभार बदलना सही था लेकिन एक सर्वेयर को खनिज निरीक्षक बनाना नियम विरुद्ध है। वरिष्ठ अधिकारियों से नियम विरुद्ध प्रभार को लेकर चर्चा की गई लेकिन न्याय संगत जवाब नहीं मिला। जिसके कारण मुझे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। जहां उच्च न्यायालय ने स्थगन आदेश देते हुए जिम्मेदारों से जवाब मांगा है। वहीं चर्चा है कि आखिर सरकार की नीतियों और योग्यता पर नियम विरुद्ध तरीके से कौन सर्वेयर को निरीक्षक बना रहा है।

हाई कोर्ट के फैसले के बाद सियासत तेज

सूत्र बताते है कि हाई कोर्ट के फैसला आने के बाद सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ट्वीट करते हैं लिखा कि हाई कोर्ट का आदेश भ्रष्टाचार को सरकारी संरक्षण मिलने का प्रमाण ये रहा,जब मुख्यमंत्री कमजोर हो, तो अफसर पूरी व्यवस्था पर हावी हो जाते हैं! ये मामला ऐसा ही है, जिसमें सिंगरौली जिले में एक सर्वेयर को खनिज अधिकारी का प्रभार दिया गया! यह सब खनिज माफिया की सांठगांठ और उन्हें रायल्टी की चोरी में छूट देने के लिए दिया गया! लेकिन, हाईकोर्ट में यह चालबाजी नहीं चली, अदालत ने इस अपात्र को अधिकारी बनाने पर स्टे दे दिया! इस कार्रवाई के खिलाफ असिस्टेंट माइनिंग ऑफिसर डॉ वीके तिवारी हाईकोर्ट में गए थे। खास बात ये कि प्रदेश के कई जिलों में कार्यरत सर्वेयर और ड्राफ्टमैन अब प्रभारी खनिज निरीक्षक के प्रभार से मुक्त हो जाएंगे! मौन यादव जी आपको ऐसे प्रभार वाले खेल की जानकारी है भी या नहीं! आपकी कोई अफसर सुनता ही कहां है, पता भी होगा तो करेंगे क्या?

जिले में पर्याप्त उर्वरक ,फिर आ रहे है उर्वरक रैक : उप संचालक कृषि

सिंगरौली। उपसंचालक कृषि आशीष पाण्डेय के द्वारा अवगत कराया गया है कि जिले में वर्तमान समय में 4405 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है । उन्होंने बताया कि जिले में मार्कफेड़ गोदामों एवं समितियों में यूरिया 2250 मीट्रिक टन, डीएपी 760 मीट्रिक टन, एसएसपी 300 मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक उपलब्ध है। 2 से 3 दिवस के भीतर 1300 मीट्रिक टन एनपीके एवं एक सप्ताह के भीतर 2700 मीट्रिक टन डीएपी - टीएसपी उर्वरक का स्टॉक मार्कफेड़ गोदामों एवं समितियों में उपलब्ध करवा दिया जायेगा ताकि जिले में उर्वरक की पर्याप्त सप्लाई बनी रहे। जिला कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने मार्कफेड़ गोदामों में उर्वरक वितरण में सहजता हेतु नए डिस्ट्रीब्यूशन काउंटर खोलने के निर्देश भी दिए है।

पुलिस नाइट कॉम्बिंग गस्त में 218 आरोपियों पर पुलिस की कार्यवाही

सिंगरौली। प्रदेश स्तरीय रात्रि काम्बिंग गश्त के दौरान जिले में अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों की निरंतर धरपकड़ व अवैध कार्यो में संलिप्त अपराधियों तथा अपराधों पर अंकुश लगाने व जिले में कानून व्यवस्था हेतु सिंगरौली पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, जिला सिंगरौली के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाकर आरोपियों पर कार्यवाही की गई ।

जानकारी मे बताया गया कि बीते 30 नवबंर 2024 की मध्यरात्रि को 300 से अधिक पुलिस कर्मियों की अलग अलग टीमों ने नाइट कॉम्बिग गश्त के दौरान गिरफ्तारी वारंटी, फरारी वारंटी, स्थाई वारंटी, इनामी बदमाशों, जिला बदर व इनामीगुण्डा,निगरानी बदमाश के साथ अन्य अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ करते हुए 218 आरोपियों पर कार्रवाई की। जिले में पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के नेतृत्व में एवं अनुभाग के समस्त राजपत्रित अधिकारियों के मार्गदर्शन में 300 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियो की अलग अलग टीमें बनाकर एवं उन्हे ब्रीफ कर नाइट कॉन्बिंग गस्त की। रात भर चली इस कार्यवाही में लगभग 6 घण्टे में 39 गिरफ्तारी वारंटी आरोपी गिरफ्तार किए हैं। 5 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। 79 निगरानी बदमाश, 80 गुण्डा बदमाश को चेक किया गया तथा 2 आबकारी एक्ट के प्रकरण पंजीबद्ध कर शराब जब्त की गई। एवं अन्य 5 अपराधो के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान शहर एवं कस्बों में एटीएम एवं बैंकों की सुरक्षा में लगाए गए उपकरण एवं सुरक्षा गार्डों को भी चेक किया गया। रात्रि कॉम्बिग गस्त के दौरान जिले के राजपत्रित अधिकारी एवं थाना-चौकी प्रभारीगणों नें पेट्रोलिंग कर प्रमुख चौक-चौराहों पर आने जाने वालों से पूछताछ की गई। इस दौरान बेवजह घूमते पाये गये युवकों को पुलिस अधिकारियों ने समझाईश दिया गया, वही परिवारजन के साथ सफर कर रहे व्यक्तियों को कोई दिक्कत ना हो उसका भी ध्यान रखा गया। यह कार्यवाही पूरे जिले में एक साथ की गई।

बिजली कटौती व राशन दुकान में मनमानी के विरोध में महुली की जनता ने किया विरोध

सिंगरौली। महुली खेल मैदान में सैकड़ों आदिवासी धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणो का आरोप था कि बिजली कटौती व राशन दुकान में मनमानी की जा रही है।बिजली कटौती की समस्या एवं उचित मूल्य की दुकान में वितरण व्यवस्था में की जा रही मनमानी को लेकर महुली खेल मैदान में धरना प्रदर्शन पर बैठे लोग अनुसूचित जनजाति के पूर्व जिलाध्यक्ष सीपी सिंह ने बताया हमारी मांगे जब तक पूरी नहीं होती हम अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे रहेंगे शासन प्रशासन को इसकी जानकारी पूर्व में ही दे दी गई थी सुबह से लोग धरना प्रदर्शन पर बैठे हैं और हमारे आदिवासियों की समस्या सुनने कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचे पुलिस प्रशासन के कर्मचारी सुबह से ही अपनी सेवा दे रहे।बताया गया है कि खाद्य आपूर्ति एवं सहकारिता विभाग से पूर्व में कई मांगे लंबित हैं।

आशा इंस्टीट्यूट के छात्रों लिए फ्रेशर्स व फेयरवेल पार्टी का हुआ आयोजन

सिंगरौली। आशा इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में अध्ययनरत कंप्यूटर कोर्स डीसीए व् पीजीडीसीए के सभी छात्र - छात्राओं के लिए फ्रेशर्स व् फेयरवेल पार्टी का आयोजन एक होटल में किया गया ड्ड जिसमे पुराने छात्रों द्वारा नए छात्रों का स्वागत व् नए छात्रों द्वारा पुराने छात्रों का विदाई स्वागत किया गया ड्ड कार्यक्रम का शुभारम्भ रामनिवास शाह विधायक सिंगरौली बीजेपी , सुन्दर शाह जिला महामंत्री सिंगरौली बीजेपी, विनोद चौबे अध्यक्ष किसान मोर्चा सिंगरौली बीजेपी, देवेश पांडेय अध्यक्ष नगर पालिक निगम सिंगरौली , सतेंद्र पांडेय ,रवि चौरसिया, संजय कुशवाहा, चेयरमैन आशा सोनी, डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार सोनी सभी शिक्षकगण व् सभी छात्रों ने सयुक्त रूप से भगवान गणेश व् माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। छात्रों

द्वारा एक से बढकर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई ड्ड अतिथियों व् सभी के स्वागत के लिए शुरुआत स्वागत गीत डांस रवीना, पूनम, सीमा छात्राओं द्वारा प्रस्तुत कर किया गया ड्ड कार्यक्रम में छात्र-छात्रों के लिए मिस्टर - मिस फ्रेशर , मिस्टर × मिस परफेक्ट ,मिस्टर -मिस फेयरवेल के चुनाव के लिए बिभिन प्रतियोगिताओ जैसे रैंप वाक, चिट, बलून, मोमबत्ती, डांस, आदि एक्टिविटी व् गेम का आयोजन किया गया ड्ड जिसका आनंद सभी ने उठाया और प्रतियोगिता के आधार पर चुनाव किया गया।

भाजपाईयो ने सामूहिक रूप से देखी गोधरा कांड आधारित फिल्म द साबरमती

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने 30 नवंबर की शाम बैढ़न के सिनेमा हाल मे सामूहिक रूप से द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी। विधायक सिंगरौली राम निवास शाह के सौजन्य से इस फिल्म को देखने के लिए जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार समेत सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सिनेमा हाल में उपस्थित थे। सभी नेताओं एवं पदाधिकारियों ने इस फिल्म को देखा तथा अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक रामनिवास शाह ने कहा कि 27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के बोगी क्रमांक स6 को सुनियोजित षड्यंत्र के तहत आग लगा दिया गया था और 59 हिंदूओं को जिंदा जला दिया गया था तथा पूरी

साजिश के तहत सम्पूर्ण गुजरात को दंगे की आग में झोंक दिया गया था। ये फिल्म उसी सच्चाई को बतलाती है तथा उसी अमानवीय और वीभत्स घटना को पर्दे पर फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है। जिस घृणित कार्य को सम्पूर्ण विपक्ष एक दुर्घटना बता कर अपने कृत्यों पर पर्दा डालने का प्रयास आज तक करता रहा उनकी इसी तुष्टिकरण की सच्चाई को ये फिल्म उजागर करती है । विधायक सिंगरौली ने हर व्यक्ति से इस फिल्म को देखने की अपील की है। जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता ने कहा कि उस समय जिस? प्रकार कांग्रेस समेत पूरी विपक्षी पार्टियों ने गुजरात तो हिंसा के दलदल में झोंका था वो अब जग जाहिर हो गया है तथा किस? प्रकार हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए इस घटनाक्रम को सम्हाला था वो प्रशंसनीय है। सिनेमा हाल में मुख्य रूप से जिला महामंत्री सुंदरलाल शाह, राज कुमार दुबे, जिला उपाध्यक्ष सरोज शाह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं पार्षद सीमा जायसवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष कमलेश वैश्य, जिलामंत्री विनोद चौबे, सांसद प्रतिनिधि संतोष वर्मा, वरिष्ठ नेत्री किरण सोनी, पार्षद संजय सिंह, पार्षद आशीष वैश्य, संजय शाह, उमेश विश्वकर्मा, वार्ड संयोजक अशोक जायसवाल समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बधौंरा में नहीं रुका अवैध शराब का कारोबार !

बिना रेट लिस्ट लगाए महंगे दामों पर बिक रही शराब, शिकायत के बाद भी आबकारी विभाग नहीं कर रहा कार्यवाही

सिंगरौली

बधौंरा चौकी क्षेत्र के करीब एक दर्जन के करीब गांव में अवैध शराब का कारोबार बेरोंकटोंक चल रहा है। हर चौराहे पर किराना की दुकानों में देसी और अंग्रेजी शराब आसानी से उपलब्ध हो जाएगी। गली चौराहे में बिक रही अवैध शराब बिक्री से स्थानीय लोग परेशान है। हालांकि इसकी जानकारी पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों को भी है, लेकिन विभागीय अफसरों के द्वारा महज छोटी-मोटी कार्रवाई करके खानापूर्ति कर ली जाती है।

गौरतलब है कि बधौरा चौंकी पुलिस और आबकारी

विभाग की लापरवाही के चलते किराना दुकानों में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। चौकी क्षेत्र के मलगा मोड़, दो नंबर गेट के पास, न्यू गेट के सामने, गड़ाखाढ़, अमिलिया ढ़ाबा सहित एक दर्जन से अधिक पैकारी संचालित है। यहां शराब दुकान से ही सांठ गांठ कर ऊंची कीमत वसूल कर अवैध शराब बेचने का काम किया जा रहा है। ऐसे लोगों की पुलिस अमला को जानकारी होने के बाद भी इस दिशा में रोकथाम की कोई पहल नहीं की जा रही है। शराब के खरीददारों को इन अवैध ठिकानों का भलीभांति पता है। सूत्रों की मानें तो बधौंरा चौकी प्रभारी ऐसे ठिकानों को देख कर भी चुप्पी साध ले रहें है।वहीं सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने वालों के विरूद्ध भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाने से नागरिकों को अच्छी खासी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों की माने तो बधौंरा पुलिस शराब कारोबारियों से हर महीने सुविधा शुल्क वसूल रहे हैं। यही वजह है कि रजमिलान में संचालित शासकीय दुकान की शराब बधौरा चौंकी क्षेत्र के किराना दुकान और चौराहों पर खुलेआम बिक्री हो रही है।

बिना रेट लिस्ट लगाए बिक रही शराब

रजमिलान में संचालित शराब की दुकान पर तय रेट से अधिक दाम वसूल कर लोगों को शराब बेची जा रही है। वहीं जब कुछ लोग इसका विरोध करते हैं, तो दुकानदार के द्वारा विवाद शुरू कर दिया जाता है। इस संबंध में कई बार स्थानीय आबकारी विभाग के अधिकारियों से भी शिकायत की जा चुकी है। इसके बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस स्थिति को देखकर ऐसा लगता है जैसे स्थानीय अधिकारियों के संरक्षण में यह कार्य चल रहा हो।

विश्व एड्स दिवस पर जिला जेल में आयोजित हुई जन जागृति गतिविधियां

सीधी

विश्व एड्स दिवस एक दिसंबर के अवसर पर रविवार को सीधी जिले के जेल में कैदियों के साथ विश्व एड्स दिवस का कार्यक्रम संपादित किया गया। जिला नोडल अधिकारी एड्स नियंत्रण कार्यक्रम डॉ हिमेश पाठक ने बताया कि जन-जागरूकता कार्यक्रम जिला चिकित्सालय सीधी एवं ग्राम सुधार समिति सीधी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष जेल अधीक्षक रविशंकर पटेल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप अधीक्षक के के तिवारी जिला चिकित्सालय से संतोष तिवारी, के बी के सिंह, जरीना बेगम, भारती वर्मा, इंदल सिह संपूर्ण सुरक्षा केंद्र से परियोजना प्रबंधक वेदांती मिश्रा, अर्चना पाठक, लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना प्रबंधक मीरा गौतम पूनम सिंह, फूलकली तिवारी, सीमा सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

सर्वप्रथम जेल के कैदियों को मानव श्रृंखला में बैठाया गया। एड्स जागरूकता के संबंध में नारे लगवा कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य बताया गया कि एड्स लाइलाज बीमारी है अभी इसकी कोई भी दवा अपने पूरे भारत वर्ष में नहीं बन पाई है। एड्स से सावधानी ही बचाव है। जरीना बेगम के द्वारा बताया गया कि हम एचआईवी जैसे संक्रमण को दूर करने का परामर्श देते हैं। काउंसलर इंदल सिंह के द्वारा कहा गया कि हम लोग इंजेक्टीबल ड्रग यूजर को इंजेक्शन का नशा छोड़ने के लिए दवाई देने का काम करते हैं। जोखिम पूर्ण व्यवहार करने वाले को एचआईवी संक्रमण से बचाने का काम करते हैं। उमा सेन के द्वारा बताया गया कि एचआईवी और एड्स की जानकारी अभी तक गांव के लोगों को नहीं है इसलिए इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार समुदाय के लोगों के साथ करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पुलिस जेल अधीक्षक रविशंकर पटेल जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि आज इतना बड़ा कार्यक्रम कैदियों के साथ में करने की जरूरत क्यों पड़ी यह हम सब लोग अपने दिमाग में सोच रहे होंगे लेकिन आप सबको मालूम हो एचआईवी और एड्स एक खतरनाक बीमारी है इस बीमारी से बचने के लिए हम सब लोगों को सुरक्षित जीवन जीने की आवश्यकता है इसके प्रति हमें वफादार रहने की जरूरत है इसके लिए जानकारी ही बचाव है। कार्यक्रम का संचालन संपूर्ण सुरक्षा केंद्र के परियोजना प्रबंधक वेदांती प्रसाद मिश्रा के द्वारा किया गया।

डढिया पंचायत में भ्रष्टाचार पर नहीं हो रही कार्यवाही

सीधी। जिले के जनपद पंचायत सिहावल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत डढिया में इन दिनों भ्रष्टाचार का आलम इस तरह है कि हितग्राहियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और पंचायत कर्मियों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। वहीं जिम्मेदार अधिकारी लापरवाहों पर मेहरबान हैं। उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है।

डढिया पंचायत में इस समय हालत यह है कि न तो पंचायत भवन खुलता है और न ही पंचायत में महीनों से सरपंच और सचिव कभी बैठते हैं। यही वजह है कि ग्राम पंचायत के हितग्राही अपने काम को लेकर काफी परेशान हो रहे हैं। लेकिन सरपंच और सचिव की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। वहीं भ्रष्टाचार को लेकर भी काफी शिकायतें आई हैं। जिम्मेदार अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि इस मामले में कोई पहल नहीं कर रहे हैं।

गांव की रसोई कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आराधना भारत गैस ग्रामीण वितरक अमिलई के द्वारा किया गया आयोजित

महिला उपभोक्ताओं को किया गया सम्मानित

सीधी। भारत सरकार के उपक्रम भारत पेट्रोलियम गैस के निर्देश पर सीधी जिले में आराधना भारत गैस ग्रामीण वितरक अमिलई के द्वारा सेल्स आफीसर सतना अनुज कुमार, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा, ब्यूरो चीफ दैनिक जागरण सीधी अखिलेश पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं संचालक आराधना भारत गैस श्रीमती आराधना पाण्डेय, सरपंच पटना श्रीमती राजकुमारी पाव, सरपंच कपुरी कोठार श्रीमती राजकली कोल, पूर्व जनपद सदस्य भगवानदीन, पूर्व सरपंच अमिलई रामलाल गोड़ की उपस्थिति में गांव की रसोई कार्यक्रम का आयोजन आज 1 दिसम्बर 2024 को आराधना भारत गैस अमिलई के परिसर में किया गया। उक्त आयोजन के स्वाद प्रतियोगिता में श्रीमती अर्चना पाण्डेय, श्रीमती राखी सिंह, सुनीता सिंह, श्रीमती बुटान कोल, श्रीमती सुशीला उर्मलिया, श्रीमती सुमन तिवारी, श्रीमती शांति तिवारी, श्रीमती ज्योति तिवारी, श्रीमती रानी तिवारी ने भाग लिया। जिसमें श्रीमती अर्चना पाण्डेय प्रथम, श्रीमती राखी सिंह द्वितीय एवं श्रीमती सुमन तिवारी को तृतीय स्थान मिला। गांव की रसोई में स्वाद प्रतियोगिता में शामिल सभी महिलाओं को आराधना भारत गैस ग्रामीण वितरक अमिलई के द्वारा गिफ्ट देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर सेल्स आफीसर सतना ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को गैस चलाने का तरीका, सुरक्षा के उपाय, केवाईसी कराने आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि गैस चूल्हे से भोजन आसानी से बहुत कम समय में पक जाता है। स्वास्थ्य पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि लकड़ी से खाना बनाने में काफी समय लगता और बर्तन भी जल जाते हैं। लकड़ी के धुंए से मानव शरीर में भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि गैस चूल्हे पर जो पाइप लगी रहती वह काफी सुरक्षित होती है। किन्तु पांच वर्ष बाद पाइप खराब हो जाती है इस कारण नई पाइप का उपयोग करना चाहिए। इस दौरान आराधना भारत गैस ग्रामीण वितरक अमिलई से बलराम पाण्डेय, राजकुमार सेन, मो. शाहजहां, विकास शुक्ला, पुष्पराज पाण्डेय, रविन्द्र उर्मलिया, शशिभूषण पाण्डेय, रोहित तिवारी, मुनेश शुक्ला, धर्मदास विश्वकर्मा, ओमकार कुशवाहा, प्रभाशंकर द्विवेदी, वीरेंद्र द्विवेदी, धर्मेन्द्र तिवारी, अजय पाण्डेय सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

रेल रोंको आंदोलन को लेकर हुआ बड़ा प्रदर्शन

सीधी। जिले के भदौरा शंकरपुर में रेल रोंको आंदोलन को लेकर बड़ा प्रदर्शन हुआ है। जिसमें कि भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति बनी रही। इस दौरान सुबह से ही लोगों की भीड़ एकत्रित हुई। जहां पुलिस अमला सहित अन्य विभागीय अमले भी मौजूद रहे। रेल रोंको आंदोलन का यह बड़ा अभियान इस बार देखने को मिला है। यह आंदोलन दोपहर 12:30 से दोपहर 3 बजे तक किया गया।

देखा जाए तो भदौरा से निकलने वाली अधिकतर ट्रेनों का स्टापेज न होने एवं ओव्हर ब्रिज बनाए जाने को लेकर यह आंदोलन किया गया है। जिसमें कि भारी तादात में लोग पटरी में बैठकर रेल रोंको आंदोलन कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन के बाद सिंगरौली, कटनी, जबलपुर लाइन से जाने वाली रेल गाड़ियों के स्टापेज को लेकर विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह स्टेशन में सिर्फ मेमो ट्रेन का है। जबकि इस मार्ग से गुजरने वाली जबलपुर इंटरसिटी, शक्तिपुंज रेलगाड़ी सहित कई रेलगाड़ियां नहीं रुकती हैं। वहीं भदौरा स्टेशन में ओव्हर ब्रिज बनाए जाने को लेकर भी यह प्रदर्शन किया गया।

भारतीय मजदूर संघ का श्रमिक संपर्क अभियान आज से प्रारंभ

सीधी। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री दीप नारायण द्विवेदी ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय मजदूर संघ का श्रमिक संपर्क अभियान का शुभारंभ जिला अध्यक्ष आनंद तिवारी एवं जिला मंत्री दीप नारायण द्विवेदी विभाग प्रमुख सीधी एवं सिंगरौली रमन चैकीकार की अगुवाई में श्रमिक संपर्क अभियान का शुभारंभ किया गया। श्रमिक संपर्क अभियान 01 से 20 दिसंबर तक चलाया जायेगा तथा सीधी जिले में 02 लाख से ज्यादा श्रमिकों से संपर्क का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभाग प्रमुख ने बताया कि श्रमिक संपर्क अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं की टोली संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से तहसील, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर संपर्क करेगी। श्रमिकों का डाटा एकत्रित किया जाएगा ताकि भविष्य में उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। श्री चैकीकार ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति के श्रमिकों तक पहुंचना, उन्हें संगठित करना और उनके अधिकार दिलाना है। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष आनंद तिवारी ने बताया कि असंगठित क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। जिसमें ऑटो यूनियन का गठन जल्द से जल्द करना और उनकी समस्याओं में निजात दिलाना भवन निर्माण, परिवहन, घरेलू कामगार और प्लेटफॉर्म वर्कर जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसी क्रम में जिला मंत्री दीपनारायण द्विवेदी ने बताया कि बीएमएस की स्थापना 1955 में भोपाल में हुई थी। संगठन ने ''राष्ट्र हित, उद्योग हित, श्रमिक हित'' के सिद्धांत पर चलते हुए श्रमिक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 2023 में जी-20 सम्मेलन में लेबर-20 की अध्यक्षता मिलने पर संगठन ने ''वसुधैव कुटुंबकम'' का संदेश विश्व को दिया।

इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ जिला सीधी के जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह पवन मिश्रा कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्रा कार्यालय मंत्री प्रदीप साहू विकास नारायण तिवारी पर्वेंद्र द्विवेदी सह मंत्री आनंद अकेला नागेंद्र सिंह रिंकू पार्षद राम प्रकाश कुशवाहा छोटू जितेन पांडे अमित तिवारी सहित समस्त पदाधिकारी एवं भारी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहें।

सिविल सेवा की तैयारी के लिए सुनहरा अवसर

रजिस्ट्रेशन के लिए कोचिंग, समय पर करें संपर्क

सीधी। जिला प्रशासन द्वारा संचालित यूपीएससी एवं एमपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग क्लासेस से जुड़ने के लिए एक सुनहरा अवसर दिया जा रहा है। सीधी जिले के इच्छुक और जरूरतमंद छात्र छात्राओं के लिए 02 दिसंबर से कोचिंग समय पर रजिस्ट्रेशन के लिए एक अवसर और दिया जा रहा है। सहायक संचालक निःशुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती ने बताया है कि इच्छुक छात्र-छात्राएं सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक जनपद पंचायत सीधी के सभागार में संचालित निःशुल्क कोचिंग क्लासेस पर आकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी और आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लासेस निरंतर रूप से संचालित की जा रही है।

रेत माफियाओं के सामने नतमस्तक होने को मजबूर प्रशासन

सड़कें हो रही क्षतिग्रस्त, जिम्मेदार अधिकारी नहीं कर रहे कार्यवाही

सीधी। सिंगरौली जिले के गोपद नदी के हर्दी रेत खदान से रेत परिवहन में लगे हाइवा ओव्हरलोड होकर दौड़ रहे हैं। रेत खदान से वाहनों को ओव्हरलोड रेता दिया जा रहा है। इसी वजह से रेत परिवहन में लगे वाहन बेखौफ होकर निकासी में लगे हुए हैं। दरअसल सहकार ग्लोबल लिमिटेड कंपनी को रेत खदान की जिम्मेदारी मिली हुई है। गोपद नदी से रेत निकासी करने के बाद हाइवा जैसे भारी वाहन सीधी की सडक को रौंदते हुये रेत निकासी कर रहे है। ओव्हरलोड हाइवा के दौडने के कारण सडक ही हालत भी जर्जर हो रही है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि सिंगरौली के जिम्मेदार अधिकारी हर्दी खदान का परमीशन देते समय इस बात का ध्यान क्यूं नहीं दिये कि आखिर जब रेत खदान स्थान से रेत निकलेगी तो किस पहुंच मार्ग से वाहन निकलेंगे। इतनी बडी चूक जिम्मेदार अधिकारी कैसे कर दिये यह सवाल आम लोगो के जेहन मे पैदा हो रहा है। देखा यह जा रहा है कि गोपद नदी से भारी वाहन हाईवा करीब 35 टन से अधिक रेत लेकर सीधी की दो सडको को चकनाचूर कर रहे है। फिर भी सीधी के जिम्मेदार अधिकारी भी चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। जिसका खामियांजा कुसमी के क्षेत्रीय लोगों को उठाना पड़ रहा है। बताते चलें कि सीधी से करीब 40 किलोमीटर दूर मझखोर और मझखोर से कुसमी पहुंच मार्ग जो प्रधानमंत्री की सडक़ है यह सिंगल वाहन चलने की सडक़ है इसमें मात्र 8 टन तक के वजन लेकर वाहन चल सकते हैं इसका जिक्र लगे बोर्ड मे भी विभाग के द्वारा किया गया है लेकिन इस समय पर इस सडक पर 35 से 40 टन रेत सहकार ग्लोबल लिमिटिड कंपनी से रेत भरकर हाइवा बेखौफ निकल रहे हैं, सडक तोड रहे है, इस पर जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। सीधी से मझखोर कुसमी पहुंच मार्ग के गोतरा गांव मे गोतरा मंदिर से लेकर मे प्रधानमंत्री सडक की मेन सड़क तक पहुंचने वाली सडक़ को भी भारी वाहन क्षतिग्रस्त कर दिये हैं। इसी सडक से होकर रेत खदान हर्दी सहकार ग्लोबल लिमिटिड कंपनी तक वाहन पहुंच रहे हैं।

चुरहट के स्टेडियम में हुआ क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

चुरहट। ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतियोगिता का आयोजन लगातार किया जा रहा है। जिससे खेल विधा में खिलाड़ियों को उत्साहित करने का काम हो रहा है। इसी तारतम्य में उपखंड स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता तहसील चुरहट बनाम रामपुर नैकिन के मध्य मोहिनी देवी स्टेडियम चुरहट में संपन्न हुआ। तहसील चुरहट टीम के कप्तान उपखंड अधिकारी एवं रामपुर नैकिन के कप्तान तहसीलदार रामपुर नैकिन रहे। यह आयोजन विजय गुप्ता समाजसेवी चुरहट की उपस्थिति में संपन्न हुआ। टॉस जीतकर रामपुर नैकिन ने पहले बैटिंग की, जिसमें 121 रन बनाकर चुरहट टीम को जीतने के लिए 122 का लक्ष्य रखा। चुरहट की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए अंततः जीत हॉसिल कर ली। चुरहट क्षेत्र के लोगों ने जीत के लिए चुरहट टीम के कप्तान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को बहुत-बहुत बधाई दी।

शिक्षा के साथ खेल का भी रहता है महत्वः विजय

इस मामले में चुरहट के समाजसेवी विजय गुप्ता ने कहा कि जिस तरह पढ़ाई के साथ बच्चों को आगे आने की जरूरत है। वहीं खेल विधा में भी अपना हुनर दिखाने की जरूरत रहती है। हमने आज एसडीएम चुरहट एवं तहसीलदार की उपस्थिति में क्रिकेट देखा जिसमें यह आभाष हुआ कि स्पर्धा कहीं कमजोर नहीं रहती है। जीत-हार होना अलग बात है लेकिन हार कर जीतना एक लक्ष्य होना चाहिए।

इंद्रवती नाट्य समिति द्वारा बकवा में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

सीधी। इन्द्रवती नाट्य समिति सीधी जहां एक तरफ रंगमंच और लोकरंग को विस्तार देने का प्रयास करती रही है। वहीं दूसरी ओर ट्रायबल टूरिज्म योजनांतर्गत इन्द्रवती लोक कला ग्राम बकवा में होम स्टे के माध्यम से सीधी और अनूपपुर के तीन ग्रामों को ट्रायबल टूरिज्म ट्रूरिस्ट प्लेस के रूप में डेवलप करने का सराहनीय कार्य कर रही है। जिससे ग्रामीण जनजातियों एवं लोक कलाकारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराए जायेंगे। बकवा में 10 हितग्राहियों को होम स्टे के लिए मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल द्वारा सब्सिडी प्रदान किया गया है जिसके प्रथम चरण में डीपीसी का कार्य पूरा किया जा चुका है। आगामी कार्य में तेजी लाने के लिए समिति के निदेशक नीरज कुंदेर व पीएसओ रोशनी प्रसाद मिश्र ने हितग्राहियों की सामान्य बैठक ली तथा कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। ग्राम को जनजातीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु पर्यटन समिति का गठन किया गया जिसका पंजीयन शीघ्र कराया जाना सुनिश्चित किया गया। बैठक उपरांत हितग्राहियों के कार्य का मुआयना किया गया तथा इसके बाद सभी ने बघेली जेडनार मक्का की रोटी, चना भाजी, सरसो साग व अमरु के चटनी का बड़े चाव से स्वाद चखा और खूब सराहा। इस अवसर पर हुनरशला से इंजीनियर ऋषभ सिंह, पर्यटकों में आशुतोष शुक्ला उत्तरप्रदेश, लवदीप शर्मा राजस्थान, कल्पेश मोरे महाराष्ट्र, धीरज शर्मा राजस्थान, विनीता देवी उत्तरप्रदेश, स्नेहा कुमारी उत्तरप्रदेश तथा पर्यटन समिति से जगन्नाथ जायसवाल, संसार सिंह, लल्लू सिंह, नन्हें घासी, कुशल सिंह, रामदेव सिंह, सूर्यभान सिंह, इंद्रपाल सिंह, किरनकली, लालजी सिंह, इंद्रदेव सिंह, दान बहादुर घासी, श्यामलाल घासी, रामबती सिंह, सुनीता सिंह तथा लक्ष्मी घासी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

राजस्व मामले में सिहावल एसडीएम की है सर्वाधिक शिकायतें

सीएम हेल्पलाईन मामले का भी नहीं हो रहा निराकरण

सीधी। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर के निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए सिहावल एसडीएम की सर्वाधिक शिकायतें मिल रही है। राजस्व मामले में उनके द्वारा संबंधित प्रकरणों का निराकरण न किए जाने की भी शिकायतें हैं। वहीं मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाईन में आए दिन शिकायतों पर दबाव बनाकर लोगों को शिकायतें वापस लेने का षणयंत्र किया जा रहा है। मालूम हो कि एसडीएम सिहावल एसपी मिश्रा पहले से भी चर्चित हैं। उनके द्वारा शिकायतों की फाइलें सिर्फ दफ्तर तक ही सीमित रह जाती है। उसके आगे बढ़ना मुश्किल रहता है। यही वजह है कि उनके खिलाफ अधिकतर सिहावल एवं बहरी तहसील के अधिवक्ताओं ने भी नाराजगी जाहिर की है। इसके बावजूद भी उनपर कोई आंच नहीं आ रहा है। यही वजह है कि उनके हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में उनके खिलाफ शिकायतों का निराकरण नहीं होगा तो आम जनता को शासन की योजनाओं का लाभ कैसे मिल पाएगा। यह विचारणीय प्रश्न होता है। कहीं न कहीं उनकी मनमानी के चलते आम जनता को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिस वजह से यह माना जा सकता है कि सिहावल एसडीएम एसपी मिश्रा की हठधर्मिता समझ से परे है। ऐसे में उनके खिलाफ शिकायतें भी होती हैं लेकिन उन पर कार्यवाही न होने से उनके हौंसले लगातार बुलंद होते देखे जा रहे हैं।

एसडीएम की मनमानी से आम जनता हो रही त्रस्त

देखा जाए तो सिहावल एसडीएम की मनमानी की वजह से आम जनता त्रस्त है। रेलवे में जमीन अधिग्रहीत करने सहित अन्य मामले में कई शिकायतें एसडीएम को लेकर आई है। एसडीएम एसपी मिश्रा जनता के साथ अनदेखी कर रहे हैं। जिस वजह से लोगों में काफी नाराजगी बनी हुई है। आम जनता की समस्या सुनने की बजाय एसडीएम आफिस सिहावल एवं दो दिनों में चलने वाली एसडीएम कोर्ट बहरी में बैठकर फाइलों की गड्डी लगने के बाद भी निराकरण करना उचित नहीं समझते हैं।

कलेक्टर तक पहुंची एसडीएम के खिलाफ शिकायत

सिहावल एसडीएम द्वारा रेलवे में अधिग्रहीत जमीन के मामले को लेकर कलेक्टर तक शिकायत पहुंची है। बताया गया कि उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही की जा रही है। इस मामले को लेकर माह भर के अंदर यदि निराकरण नहीं हुआ तो मामला न्यायालय तक पहुंचेगा। शिकायती आवेदन में जगदीश प्रसाद द्विवेदी निवासी भनमारी द्वारा अधिवक्ता के माध्यम से अपील दायर किया है कि हमारे साथ रेलवे में भू-अर्जन की राशि में हेराफेरी की गई है। आधा हिस्सा होने के बाद भी एसडीएम द्वारा मेरी अपील को न सुनते हुए एकतरफा भुगतान कर दिया गया है। जबकि उसके पहले शिकायत की कॉपी भी दायर की जा चुकी है। फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होने बताया कि बहरी तहसील अंतर्गत पताई गांव में खसरा क्रमांक 533 रकवा 0.0700हे. के जुज भाग 0.0500 हे. जो ललितपुर सिंगरौली रेल लाइन के लिए अधिग्रहीत भूमि है। जिसमें मैं 1/2 का अधिकारी हूं। लेकिन इस मामले में मेरे आवेदन को अनसुना करते हुए श्रवण कुमार, अरुण, कृष्णकुमार, इंद्रकुमार, दुष्यंत कुमार पिता छोटेलाल एवं पार्वती पत्नी छोटेलाल को नोटिस जारी की गई थी जिसका जवाब भी तत्काल दिया गया था लेकिन सुनवाई नहीं हुई। यदि मामले में कार्यवाही नहीं हुई तो वरिष्ठ अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में अपील दायर की जाएगी। यह एक मामला नहीं है इसके अलावा भी कई मामलों को लेकर एसडीएम के प्रति हितग्राहियों में नाराजगी दिख रही है।

कलेक्टर के संज्ञान में आ चुका है मामला

सीधी जिले के कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के पास आवेदन पहुंच चुका है। वह सुलझे हुए आईएएस अधिकारी हैं। उनके द्वारा निश्चित रूप से हितग्राहियों के पक्ष में निष्पक्ष कार्यवाही के लिए आदेश जारी किया जा सकता है। इसके लिए कलेक्टर से भी बात की गई थी उनके द्वारा यही कहा गया था कि किसी भी हितग्राही जो रेलवे प्रभावित हैं उनके साथ निष्पक्ष जांच होगी। ऐसे में एसडीएम सिहावल की मुसीबतें बढ़ सकती हैं।

संपादकीय

दिशानिर्देश जारी किए जाएं, संभल हिंसा जैसे मामले रुक सकते हैं

संभल में जो कुछ घट रहा है वह देश पहली बार नहीं देख रहा और इससे फिर जाहिर हो गया है कि प्लेस ऑफ वारशिप एक्ट,1991 जैसा कानून होने के बाद भी एक ही गलती दोहराई जा रही है। संभल में किसकी गोली से चार लोगों की जान गई, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन यह स्पष्ट है कि न्यायपालिका की एक चूक ने संभल को इस स्थिति में पहुंचा दिया है। यह विवाद भी उसी तरह आकार ले रहा है, जैसे काशी और मथुरा में। संभल की जामा मस्जिद का मामला संवेदनशील है, ऐसे में पहला सवाल तो यही उठता है कि जिला अदालत ने इतने आनन-फानन में फैसला क्यों दिया? एक याचिका आती है, जिसमें दावा किया जाता है कि इस जगह मंदिर हुआ करता था, जिसे सन 1526 में मुगल बादशाह बाबर ने ध्वस्त कर मस्जिद का निर्माण कराया। याचिका पर उसी दिन सुनवाई होती है और सर्वे का आदेश आ जाता है। आखिर, सर्वे का आदेश देने की इतनी जल्दी क्या थी? प्लेस ऑफ वारशिप एक्ट,1991 को राम जन्मभूमि विवाद की परछाई में लाया गया था। यह कहता है कि 15 अगस्त 1947 को जो पूजास्थल जिस धार्मिक स्वरूप में था, वह वैसा ही रहेगा और उसे बदला नहीं जा सकेगा। यहां तक कि एक ही धर्म के भीतर दूसरे संप्रदाय में भी उस स्थल का बदलाव नहीं होगा। जब यह एक्ट आया, तब अयोध्या मामला सुप्रीम कोर्ट में था, तो उसे अलग रखा गया। लेकिन, अब यह हो रहा है कि आए दिन किसी जगह को लेकर अदालतों में याचिका डाली जा रही है और आश्चर्य है कि सर्वे के लिए आदेश भी दिया जा रहा है।ऐसा लग रहा है कि विवादों के बांध को खोल दिया गया है। इसकी एक वजह खुद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा की गई प्लेस ऑफ वारशिप एक्ट की अतिरिक्त व्याख्या है। मई 2022 में चंद्रचूड़ ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता। इस व्याख्या ने विवादों को पैर जमाने की जगह दे दी। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है।सुप्रीम कोर्ट में 1991 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं लंबित हैं। 2022 में तत्कालीन सीजेआई यूयू ललित की अगुआई वाली बेंच ने केंद्र सरकार से इस मसले पर जवाब मांगा था, जो अभी तक नहीं मिला है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न तो भारतीय जनता पार्टी को टक्कर दे पा रही है और न ही देशहित के प्रभावी मुद्दे उठा पा रही है। देश में कॉर्पोरेट विरोधी जो एकसूत्री एजेंडा राहुल ने अपनाया है, या संविधान-रक्षा एवं धर्म-निरपेक्षता के नाम पर एक सम्प्रदाय-विशेष की जो राजनीति वह कर रहे हैं, उसके सकारात्मक परिणाम नहीं आ रहे हैं, उनके इन मुद्दों के पक्ष में वोट नहीं मिले हैं। निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति में अगर कोई एक चीज है, जो नहीं बदली है, तो वह है भाजपा को मात देने में कांग्रेस की अक्षमता। भाजपा से सीधी टक्कर में कांग्रेस की हार का औसत प्रतिशत बढ़ता ही जा रहे हैं। अब तो कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोग दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। कांग्रेस के लिये जटिल से जटिलतर होते हालातों में केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश हो सकता है।

राहुल गांधी को राजनीति के कुछ सबक सीखने होंगे

(ललित गर्ग)

हर जगह कांग्रेस अपने मजबूत सहयोगियों के बूते सीटें जीतने में कामयाब रही है। ओडिशा में कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है। एक वक्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन अब वहां भाजपा छाई हुई है। कांग्रेस की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। महाराष्ट्र के नतीजे इसी बात को रेखांकित कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न तो भारतीय जनता पार्टी को टक्कर दे पा रही है और न ही देशहित के प्रभावी मुद्दे उठा पा रही है। देश में कॉर्पोरेट विरोधी जो एकसूत्री एजेंडा राहुल ने अपनाया है, या संविधान-रक्षा एवं धर्म-निरपेक्षता के नाम पर एक सम्प्रदाय-विशेष की जो राजनीति वह कर रहे हैं, उसके सकारात्मक परिणाम नहीं आ रहे हैं, उनके इन मुद्दों के पक्ष में वोट नहीं मिले हैं। निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति में अगर कोई एक चीज है, जो नहीं बदली है, तो वह है भाजपा को मात देने में कांग्रेस की अक्षमता। भाजपा से सीधी टक्कर में कांग्रेस की हार का औसत प्रतिशत बढ़ता ही जा रहे हैं। अब तो कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोग दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। कांग्रेस के लिये जटिल से जटिलतर होते हालातों में केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश हो सकता है। निश्चित रूप से प्रियंका के राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व पर लगा अक्षमता एवं अपरिपक्व राजनीति का दाग इससे कैसे कम हो सकता है?

राहुल गांधी संसद के बाहर और भीतर दोनों जगह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर पूरी तरह हमलावर रहते हैं, वे गैर-जरूरी मुद्दों को लेकर अक्सर संसद की कार्रवाई को बाधित करते हैं। अडाणी एवं कॉर्पोरेट विरोधी उनका एजेंडा देश की अर्थ-व्यवस्था के लिये कितना नुकसानदायी साबित होता रहा है, देश की जनता ने इसे महसूस किया है। राहुल दस साल से यह गलती कर रहे हैं और उनकी पार्टी इसकी कीमत चुका रही है। कांग्रेस और विशेष रूप से उसके नेता राहुल गांधी न जाने कब से अदाणी समूह को कोस रहे हैं। एक अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद वह हाथ धोकर इस समूह के पीछे पड़ गए हैं, लेकिन शायद वह यह देखने से इन्कार कर रहे हैं कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल कांग्रेस के इस रवैये से सहमत नहीं है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे ऐसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी

नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? यदि राहुल गांधी को यह लगता है कि अदाणी समूह दागदार है तो वह अपनी सरकारों को उससे कोई नाता न रखने के लिए क्यों नहीं कह पा रहे हैं? यह समझना भी कठिन है कि कांग्रेस अमेरिकी अदालत के आकलन को अंतिम सत्य की तरह क्यों ले रही है और वह भी तब, जब उसने रिश्वत के कथित लेन-देन के कोई प्रमाण नहीं पेश किए हैं? नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी अपनी इस आक्रामकता से हासिल क्या करना चाहते हैं। विडम्बना देखिये कि संयुक्त अरब अमीरात, तंजानिया और श्रीलंका जैसे देश अदाणी समूह पर अमेरिकी अदालत की टिप्पणी को महत्व नहीं दे रहे हैं, लेकिन भारत में कांग्रेस के नेता और कुछ अन्य लोग उसे बिनी किसी जांच-पड़ताल दंडित करने को उतावले हैं। यह उतावलापन इसलिए भी ठीक नहीं, क्योंकि निवेशक अदाणी समूह पर भरोसा जता रहे हैं और इसी कारण उसके शेयरों में तथाकथित अमेरीकी कार्रवाई से भारी गिरावट के बाद पुनः तेजी देखने को मिल रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है।हर जगह कांग्रेस अपने मजबूत सहयोगियों के बूते सीटें जीतने में कामयाब रही है। ओडिशा में कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है। एक वक्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन अब वहां भाजपा छाई हुई है। जबकि इन राज्यों की डेमोग्राफी कांग्रेस के पक्ष में हैं, लेकिन सरकारें भाजपा की है। कांग्रेस मुद्दे नहीं तय कर पा रही है। बीजेपी हर राज्य के हिसाब से मुद्दे तय करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर सीट के हिसाब के मुद्दों के हिसाब से बोलते हैं। वहां के इतिहास, भूगोल, राजनीतिक परिस्थितियां सबको ध्यान में रख कर बोलते हैं। लेकिन कांग्रेस इसके हिसाब से मुद्दे और रणनीति तय नहीं कर पाती। बड़ा सवाल ये है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित दिख रही कांग्रेस इसके बाद एक भी राज्य का चुनाव क्यों नहीं जीत पाई। आखिर उसकी रणनीति में कहां खामी है और वो बार-बार कहां चूक रही है? लगभग जीत के मुहाने पर खड़ी कांग्रेस को हरियाणा में हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के साथ यही किस्सा अब राजनीतिक तौर पर देश के दूसरे बड़े अहम राज्य महाराष्ट्र में भी दोहराया गया। झारखंड में पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुआई वाले गठबंधन में शामिल थी और वो 2019 में जीती 16 सीटों में एक भी सीट का इजाफा नहीं कर पाई। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस बुरी तरह नाकाम रही। कांग्रेस 90 में से छह सीटें ही जीत पाई और नेशनल कॉन्फ्रेंस की जूनियर पार्टनर बन कर किसी तरह अपनी नाक बचा पाई। भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गढ़ने में क्यों असफल रहे? आखिर कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी इन स्थितियों पर गंभीर मंथन क्यों नहीं करते? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण का राग अलापते हुए देश में मुस्लिमों का तो पक्ष लेते हैं लेकिन बांग्लादेश एवं पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो अत्याचारों पर मौन साध लेते हैं। उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी दल अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है।

'मेक इन इंडिया' के दौर में आयुर्वेद की बात करना गुनाह क्यों?

कैंसर के इलाज का ठेका एलोपैथी के पास ही रहेगा क्या

आसमान में गरजती भारत की मिसाइलों का शोर दुनिया को सुनाई देता है। 'मेक इन इंडिया' की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों को अमेरिका और रूस जैसी शक्तियां भी सलाम करती हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि भारत की ताकत, क्षमताओं, सभ्यताओं और परंपराओं पर कुछ अपनों को ही विश्वास नहीं। यह बात इसलिए सही साबित होती है, क्योंकि आज भी भारत के लोग ही कुछ लोग भारत की सबसे पुरानी चिकित्सा परंपरा 'आयुर्वेद' को शक की निगाहों से देखते हैं। ये लोग आयुर्वेद की खूबियों को नजरअंदाज कर एलोपैथी के बिजनेस का बोझ अपने कंधों पर लिए बैठे हैं।

(अशोक उपाध्याय)

भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के प्रभाव पर सवाल उठ रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी के कैंसर के इलाज में आयुर्वेदिक चीजों के इस्तेमाल का दावा विवादों में है। छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी ने 850 करोड़ का कानूनी नोटिस भेजा है।

आसमान में गरजती भारत की मिसाइलों का शोर दुनिया को सुनाई देता है। 'मेक इन इंडिया' की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों को अमेरिका और रूस जैसी शक्तियां भी सलाम करती हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि भारत की ताकत, क्षमताओं, सभ्यताओं और परंपराओं पर कुछ अपनों को ही विश्वास नहीं। यह बात इसलिए सही साबित होती है, क्योंकि आज भी भारत के लोग ही कुछ लोग भारत की सबसे पुरानी चिकित्सा परंपरा 'आयुर्वेद' को शक की निगाहों से देखते हैं। ये लोग आयुर्वेद की खूबियों को नजरअंदाज कर एलोपैथी के बिजनेस का बोझ अपने कंधों पर लिए बैठे हैं।'मेक इन इंडिया' वाला भारत कोरोना जैसी महामारी के वक्त वैक्सीन बनाकर दुनिया में बांट सकता है, लाखों करोड़ों की जान बचा सकता है। लेकिन अपनी पुरानी आयुर्वेद परंपरा के जरिए कैंसर का इलाज नहीं कर सकता। इस बात पर हंसी भी आती है और अफसोस भी होता है। इससे भी बड़ी ताज्जुब की बात तो ये हैं कि आयुर्वेद ट्रीटमेंट कैंसर पर कारगर है या नहीं, इसका सर्टिफिकेट भी एलोपैथी के एक्सपर्ट्स ही तय करेंगे। सोचिए, भला अपने पेट पर कौन लात मारता है। कैंसर ट्रीटमेंट का सालाना करोड़ों रुपये का कारोबार है। लोग अपना घर बार सबकुछ बेचकर दांव पर लगा देते हैं और डॉक्टर सॉरी कहकर पेशंट्स को अंतिम दिनों में घर पर रखकर सेवा करने की सलाह दे देते हैं। अपने आसपास देखिए और आंकड़ा निकालिए कितने लोग कीमो, रेडिएशन और सर्जरी के बाद कैंसर जैसी घातक बीमारी से जीत पाए हैं। हकीकत आपके सामने आ जाएगी।

एलोपैथी की अदालत में आयुर्वेद की पेशी कब तक?

अगर इस बीच कोई आयुर्वेद डाइट और ट्रीटमेंट से कैंसर ठीक करने का जिक्र भी कर दे तो बखेड़ा खड़ा हो जाता है।आप भी आयुर्वेदिक इलाज और आयुर्वेदिक जीवन पद्धति को जी भर के जलील किया जाता। मजे की बात इसे जलील करने का पेटेंट हर किसी के पास है और 850 करोड़ का नोटिस भी नहीं मिलेगा। पिछले दो-तीन दिनों से आयुर्वेद की एलोपैथी की अदालत में पेशी लग रही है।

सिद्धू ने कर दी गुस्ताखी!

पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू अपनी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू के कैंसर इलाज को लेकर विवादों में घिर गए हैं। सिद्धू के छाती ठोंककर दावा किया है, डेली डाइट में देसी आयुर्वेदिक चीजों को शामिल करके उनकी पत्नी ने इस खतरनाक बीमारी को मात दे दी। कैंसर के इलाज के दौरान डाइट में कच्ची हल्दी, तुलसी ,नीम के पत्ते और सेब का सिरका शामिल था। इसके अलावा आंवला, दालचीनी, लौंग और गुड भी खाती थीं। इस दौरान उन्होंने फास्टिंग भी की थी। वह शाम 6 बजे के बाद सीधा अगले दिन 10 बजे भोजन करती थीं। इस तरह की लाइफ स्टाइल और खानपान से वह ठीक हो गई।

850 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस

सिद्धू की इस गुस्ताखी के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी ने नवजोत कौर सिद्धू को 850 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में उनके दावों पर 40 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल ने भी एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में हल्दी, नीम और डाइट में बदलाव जैसे घरेलू नुस्खों से कैंसर के इलाज के दावों को खारिज किया गया है।

पीएम मोदी खुद आयुर्वेद के मुरीद

हाल ही में धन?वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आयुर्वेद के क्षेत्र में बड़ा तोहफा दिया है। दिल?ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस?थान में मौजूद पीएम मोदी ने हेल?थ सेक?टर को 12,850 करोड़ रुपये की सौगात दी है। यह दिखाता है कि पीएम मोदी देश की प्राचीन स्वास्थ्य चिकित्सा परंपरा को शिद्दत से आगे बढ़ाना चाहते हैं।

जब मोदी ने की आयुर्वेदिक तेल की तारीफ

पीएम मोदी ने कुछ समय पहले अपने एक भाषण में कर्नाटक में 108 जड़ी बूटियों से बनने वाले तेल की तारीफ भी कर चुके हैं। यह तेल सेमेथी, नीलमबारी, भृंगराज, लैवेंडर, ब्राह्मी, चिरायता, लाजवंती, आंवला, एलोवेरा जैसी कुल 108 जड़ी बूटियों को मिलाकर बनाया जाता है। ऐसा दावा है कि इस आयुर्वेद तेल को बालों से जुड़ी हर तरह की समस्या से निजात पाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

कैंसर पर डराने वाली रिपोर्ट

हाल के अध्ययनों से भारत में कैंसर के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में हर साल 1.3 मिलियन से अधिक नए कैंसर के मामले सामने आते हैं, और अगले दशक में यह संख्या तेजी से बढ़ने की संभावना है। 2040 तक, भारत में कैंसर की घटनाओं के दोगुना होने का अनुमान है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। यहां एक सवाल खड़ा होता है कि अगर एलोपैथी कैंसर को खत्म करने में सक्षम है तो मामले इतने ज्यादा क्यों बढ़ रहे हैं।

वर्ग पहेली 5569

1	2		3		■	4	■
5		■		■	6		
	■	7		8			■
9	10		■	11		■	12
■	13			■	14	15	
16		■	■	17			■
18		19	■		■	20	21
22				■	23		

संकेत: बाएं से दाएं
1. विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले प्रथम भारतीय गेंदबाज (5)
5. संगीत में स्वर का विस्तार, समुद्र की तरंग, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
6. अनुमान, अंदाज, अटकल (3)
7. लक्ष्मी के पति होने के कारण पुराणानुसार भगवान विष्णु का एक नाम (5)
9. नीरोग, चंगा, तंदुरुस्त (3)
11. केशलता, बालों का वह गुच्छा जो गाल पर लटके (2)
13. अवसर की प्रतीक्षा में रहना, ध्यानपूर्वक देखना (3)
14. छेद करना, आहत करना (3)
16. पुराणानुसार महर्षि विश्वामित्र के पिता और कुशिक राजा के पुत्र (2)
17. जलता हुआ, प्रदीप्त, प्रकाशमान, पुरानी फिल्मों के दिवंगत संगीतकार (3)
18. य नामक वर्ण (3)
20. पंख, डैना, किंतु, परंतु (2)
22. हाथ जोड़कर (4)
23. बेटी की बेटी यह कहलाती है (3)

ऊपर से नीचे
1. सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात, खतरे की पूर्व सूचना (4)
2. देह, काया, शरीर, बदन (2)
3. खुशबू, महक, सुगंध (3)
4. चंद्रवंश के पांचवें राजा जिनका विवाह दैत्यगुरू शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से हुआ था (3)
6. धोखा देने का भेष (5)
7. धतूरा स्वर्ण (3)
8. इंद्र धनुष के रंगों में से एक (2)
10. वोट देने की पात्रता (3)
12. अवाक, चुप, खामोश, चुप्पी (2)
15. धन-देव, धनवान व्यक्ति, मालदार (4)
16. गीत गाने या प्रस्तुत करने वाला (3)
17. उर्दू भाषा में व्रत को यह कहा जाता है (2)
19. प्रभु, परमेश्वर (पंजाबी) (2)
21. क्रिकेट में खिलाड़ियों का मापदंड (2)

वर्ग पहेली 5568 का हल

स	त्य	ना	रा	य	ण	सि	न्हा
त्य	■	ग	ज	र	■	वा	■
ना	तं	दा	■	थ	न	■	वि
रा	ब	■	मु	रा	द	■	ज
य	■	रा	■	ना	र	की	य
ण	■	ज	ज	■	■	र्ति	■
■	■	गु	ल	जा	र	■	ह
आ	ब	रू	■	वा	म	ह	स्ती

तीसरी आंख से देखें दूसरी ही दुनिया

(सुंदरचंद ठाकुर)

शिव की तीसरी आंख के बारे में हम सबने सुना है। माथे पर दोनों भृकुटियों के बीचोंबीच जहां योगियों के लिए आज्ञा चक्र का स्थान सुनिश्चित है और जहां अमूमन वे ध्यान लगाते हैं, यहीं होती है तीसरी आंख। लेकिन इस आंख की खासियत यह है कि यह बाकी दोनों आंखों की तरह बाहर की ओर न खुलकर भीतर की ओर खुलती है। यानी इस आंख के रास्ते आप अपने भीतरी लोक में उतर सकते हैं। आप इसके जरिए अपने भीतरी लोक में उतरते रहते हैं उतना ही आपका भीतरी लोक साफ-सुथरा, उज्जवल और दिव्य होते जाता है। यह ऐसा ही है कि किसी के एक घर में रहने से वह घर उस घर की तुलना में कहीं ज्यादा साफ-सुथरा रहता है जिस घर में कि कोई नहीं रहता हो। जब आप भीतर के तहखाने में नहीं उतरते तो वहां मकड़ियां जाले बुन लेती हैं, वहां डरावना अंधकार भरा रहता है। लेकिन अगर आप रहने लगें तो वहां एक रोशनी बनी रहती है। जितना आप तीसरी आंख के जरिए भीतर उतरेंगे, उतना आपका भीतर दिव्य होता जाता है। इसीलिए कुछ लोग इस तीसरी आंख की तुलना दिव्यदृष्टि से करते हैं। विज्ञान की बात करें, तो इसी आंख के भीतर जरा सा नीचे पीनियल ग्रंथि होती है। यह ग्रंथि 5 से 9 मिलीमीटर लंबी और कोन के आकार की होती है। यह ग्रंथि मेलाटोनिन नामक हार्मोन बनाती है, जो हमारी नींद, शरीर की घड़ी और जागरूकता यानी हमारी अवेयरनेस को नियंत्रित करती है। लेकिन प्राचीन भारतीय ग्रंथों और अन्य संस्कृतियों में इसे हमारी आत्मिक ऊर्जा का केंद्र माना गया है। मिस्र की सभ्यता में इसे -'आई आफ होरस' कहा गया, और भारतीय योग में इसे आत्मज्ञान और ब्रह्मांड से जुड़ने का द्वार माना गया है। ब्रह्मांड से जुड़ने कर अर्थ है कि इस आंख के खुलने से आपको ब्रह्मांड की प्रज्ञा मिल जाएगी और उस प्रज्ञा के साथ आप कालद्रष्टा बन जाएंगे। कालद्रष्टा बनें या न बनें, इस आंख के खुलने से आपके भीतर की अंधेरी दुनिया जरूर रोशनी से भर जाएगी। इस रोशनी में आप दुनिया को भी रोशन नजरों से देखने लगोगे। कहते हैं कि जैसी आपकी भीतरी दुनिया होती है आपको बाहरी दुनिया भी वैसी ही दिखती है। क्या आपने कभी नोट नहीं कियार कि जब भी आप बहुत खुश होते हो, तो आपको बाहरी दुनिया भी खुशी में झूमती दिखती है। चांद खूबसूरत लगता है। प्रकृति मनोरम दिखने लगती है। आपके भीतर जितना प्रेम होता है, दुनिया आपको उतनी प्रेमिल दिखने लगती है। आप भीतर से जितना निराश, उदास होते हैं, आपको बाहरी दुनिया भी उतनी ही निराश, उदास दिखती है। इसलिए सबसे पहले तो जरा इस तीसरी आंख के रास्ते से भीतर-बाहर जाने की आवृत्ति बढ़ा दें। अब बात आती है पीनियल ग्रंथि को एक्टिवेट करने के लिए क्या किया जाए क्योंकि ब्रह्मांडीय प्रज्ञा तो तभी मिल सकती है। इसके लिए आपको छह काम करने होंगे। ध्यान करें- नियमित ध्यान में बैठने का अभ्यास करें और ध्यान आज्ञा चक्र पर ही लगाएं। कम से कम दस मिनट का रोज ध्यान लगाएं। प्राणायाम करें- दो प्राणायाम रोज करें। कपालभाति और अनुलोम-विलोम। त्राटक करें- मोमबत्ती की लौ या दीवार पर एक गोला बनाकर उसे 5-7 मिनट तक अपनक निहारें। संगीत सुनें- 432 हर्ट्ज की अववृत्ति वाला मेडिटेटिव संगीत सुनें। वह आपके ब्रेन को शांत करता है। सात्विक भोजन करें- सब करेंगे और भोजन तामसिक लेंगे, तो बात नहीं बनेगी। भोजन शुद्ध सात्विक रखें।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन मिलाजुला रहेगा और आपको लाभ के साथ तरक्की हासिल होगी। आपको बिना किसी शंका और विचार के अपने कर्तव्य पर व्यस्त रहना चाहिए। आप अपने काम को मेहनत और लगन के साथ करें तो आपका मन काफी खुश होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि और तरक्की होगी। साथ ही आपकी योजनाएं सफल होंगी।

वृष

आज दिन अच्छा होगा और आपके सभी कार्य बिना रुकावट के हो जाएंगे। अचानक ही किसी जटिल काम के बन जाने से भाग्य की रुकावटें दूर होंगी और आपकी तरक्की होगी। आप अपना गृहस्थ जीवन सही तरीके से बिताना चाहते हैं तो उसमें लाभ होगा। जीवनसाथी के प्रति ईमानदार होना जरूरी है।

मिथुन

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। किसी भी जटिल कार्य को आसानी से पूरा कर देने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगता है। किसी ऐसी ही समस्या पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपके ऊपर जाएगा जिससे आपको फायदा मिलेगा। आपके धन में वृद्धि के साथ तरक्की होगी।

कर्क

आज दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा। किसी भारी काम का बोझ आज आपके ऊपर आ सकता है इसके लिए आपको अपने काम से छुट्टी लेनी पड़े। यदि आप किसी उद्योग संचालन कर रहे हैं तो छोटे कर्मचारियों से आपको सम्मान प्राप्त होगा।

सिंह

आज करियर में सफलता प्राप्त होगी और आपके लिए तरक्की के योग हैं। किसी के अधिकार क्षेत्र में घुसकर अपना वर्चस्व कायम रखना आपकी पुरानी आदत है। कभी कभी इस कारण आप लोगों के बीच में आलोचना का शिकार भी हो सकते हैं। आप एक अच्छे अधिकारी बन सकते हैं, लेकिन पहले अच्छा कार्यकर्ता बनना जरूरी है।

कन्या

आज बहुत ही संभलकर काम करने की जरूरत है। किसी वाद विवाद को पकड़कर आपको अपने सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों से ज्यादा तर्क वितर्क न करें। कारोबार और व्यापार में जो उतार चढ़ाव आया है उसमें संभलकर काम करें। यदि आपको सफल होना है तो इस दौर में जो हालात हैं उनके साथ समझौता करना बुद्धिमानी होगा।

तुला

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी मेहनत बहुत सफल होगी। घर के दैनिक कार्य भी कुछ अड़चनों के बाद पूरे हो जाएंगे और आपको लाभ होगा। काफी दिनों से व्यापार व्यवसाय की स्थिति भी आपके लिए नाजुक बनी है। व्यापार क्षेत्र में जो उतार चढ़ाव आया है वह सिर्फ आपके लिए ही नहीं है।

वृश्चिक

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। आज भी कारोबार की कुछ ऐसी ही उलझन आपको परेशान कर रही है। आपको सूझबूझ से काम लेने की जरूरत हैं वरना आपको नुकसान हो सकता है।

धनु

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि के योग हैं और आपको सफलता प्राप्त होगी। धन कमाने के जोखिम भरे कदम सभी को रास आते तो लोग मेहनत मजदूरी क्यों करते। बेहतर है आप कारोबार के अपने पुराने रास्ते पर उतर जाएं और आए दिन जो नुकसान हो रहा है उससे बचने की कोशिश करें।

मकर

आज लाभ होगा और आपके लिए दिन सफलता से भरा होगा। आपके अन्दर खूब सारी एनर्जी और उत्साह का संचार होगा। छुट्टी के बावजूद खूब सारा काम निपटा देने की इच्छा करेगी। आपके कार्यक्षेत्र में काम उतनी स्पीड से नहीं चल रहा होगा जितना बाकी में चलता है। आपको सारी चीजें अपने कंट्रोल में लेनी पड़ सकती है।

कुंभ

आज दूसरों की जरूरतों को ध्यान में रख कर योजना बनाएं, तभी फायदा प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। परिवार में अचानक कोई नयी खबर मिल सकती है, जिससे मन में प्रसन्नता होगी। जीवनसाथी का भरपूर साथ और प्यार मिलने से मन में प्रसन्नता बनी रहेगी. आज कई चीजें आपके धैर्य की परीक्षा लेंगी।

मीन

आज व्यापार में आर्थिक लेन-देन में फंसने से सावधान रहें. किसी की बातों में न आयें।कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है जो आपके लिए काफी फायदेमंद भी साबित होगी। पारिवारिक मामलों को सुलझाने के लिए आज का दिन उत्तम है। कोई भी फैसला सोच समझ कर लें जल्दबाजी न करें।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत बनाम हिमंता : सोरेन के एलान के बाद, असम सीएम बोले- हम भी दो-तीन चीजों के अध्ययन के लिए टीमें झारखंड भेजेंगे

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड

सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का एलान किया है। झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी झारखंड सीएम हेमंत सोरेन और असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा है कि वह भी असम की दो टीमें झारखंड में दो-तीन चीजों का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का एलान किया है।

शामली में पैसे के विवाद में महिला की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

शामली, एजेंसी। जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) संजय चौहान ने शनिवार को बताया

कि न्यायाधीश ऋतु नागर की अदालत ने दोषी लाल सिंह पर अनीता नामक महिला की हत्या के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। शामली के कैराना की एक त्वरित अदालत ने उधार के पैसे मांगने पर एक महिला की चाकू घोंपकर हत्या के करीब चार साल पुराने मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) संजय चौहान ने शनिवार को बताया कि न्यायाधीश ऋतु नागर की अदालत ने दोषी लाल सिंह पर अनीता नामक महिला की हत्या के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। चौहान के अनुसार, यह घटना 11 सितंबर 2020 को शामली जिले के गहरी पुखरा थाना क्षेत्र के भेंसवाक गांव में हुई थी। उन्होंने कहा कि घटना वाली रात को अनीता अपने घर में अकेली सो रही थी, तभी लाल सिंह ने उस पर हमला किया और चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। जांच में पता चला कि अनीता ने लाल सिंह को पैसे उधार दिए थे और पैसे वापस न मिलने पर हुए विवाद के कारण उसने हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गयी।

दिल्ली के आप विधायक नरेश यादव को 2016 के बेअदबी मामले में दो साल कारावास की सजा

नईदिल्ली, एजेंसी। अदालत ने दो अन्य लोगों (विजय कुमार और गौरव कुमार) की दो साल की सजा को बरकरार रखा। एक अन्य आरोपी नंद किशोर को अधीनस्थ अदालत द्वारा बरी कर दिया गया। पंजाब में मालेरकोटला जिले की एक अदालत ने शनिवार को वर्ष 2016 के कुरान की बेअदबी से जुड़े मामले में दिल्ली के महरौली से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक नरेश यादव को दो साल की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश परमिंदर सिंह ग्रेवाल की अदालत ने शुक्रवार को इस मामले में यादव को दोषी ठहराया और शनिवार को फैसला सुनाया। सजा सुनाए जाने के समय अदालत में उपस्थित यादव पर 11,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने दो अन्य लोगों (विजय कुमार और गौरव कुमार) की दो साल की सजा को बरकरार रखा। एक अन्य आरोपी नंद किशोर को अधीनस्थ अदालत द्वारा बरी कर दिया गया। यादव को भारतीय दंड संहिता की धारा 295ए (किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक आस्था का अपमान करके उनकी धार्मिक भावनाओं को अपमानित करने के इरादे से जानबूझकर किया गया दुर्भावनापूर्ण कार्य), 153ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया गया। यादव को मार्च 2021 में अधीनस्थ अदालत ने बेअदबी मामले में बरी कर दिया था। इसके बाद शिकायतकर्ता मोहम्मद अशरफ ने उनको बरी करने के खिलाफ अपील दायर की थी। पुलिस ने शुरुआत में विजय, गौरव और किशोर पर मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में इस मामले में आप विधायक यादव को गिरफ्तार किया गया था।

ओडिशा सरकार ने मध्याह्न भोजन के लिए आवंटित की जाने वाली राशि बढ़ाई

भुवनेश्वर, एजेंसी। 5.90 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 7.64 रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत 8.82 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 10.94 रुपये कर दी गई है। ओडिशा सरकार ने स्कूली छात्रों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराने के लिए आवंटित की जाने वाली राशि को बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। 'पीएम-पोषण' के लिए राज्य के नोडल अधिकारी रघुराम आर अय्यर ने शनिवार को जिलाधिकारियों को सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (पहली से पांचवी कक्षा) के लिए सामग्री की लागत 5.90 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 7.64 रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत 8.82 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 10.94 रुपये कर दी गई है। अय्यर ने कहा कि संशोधित लागत एक दिसंबर से लागू होगी।

पवित्र बोधि वृक्ष की वैज्ञानिकों ने की जांच, कहा- पूरी तरह से है सुरक्षित

गया , एजेंसी। बिहार के बोधगया स्थित अंतर्राष्ट्रीय धरोहर महाबोधि मंदिर में स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की जांच एफआरआई के वैज्ञानिकों ने की. एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों ने जांच के बाद पाया कि बोधि वृक्ष उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है और पूरी तरह से सुरक्षित है. वहीं, बोधि वृक्ष की कुछ छोटी मृत शाखों को एफआरआई के वैज्ञानिकों को द्वारा हटा दिया गया.

बोधि वृक्ष की जांच करने देहरादून से आए वैज्ञानिक : वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) देहरादून के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने महाबोधि मंदिर स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की जांच की. भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति वाले इस बोधि वृक्ष की हर साल नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य की जांच की जाती है. एक साल में तीन-तीन महीने के अंतराल में चार बार बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की जांच होती है. इस क्रम में एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों की टीम शनिवार को बोधगया पहुंची और बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की जांच हुई.

पूरी तरह से सुरक्षित है बोधि वृक्ष : एफआरआई देहरादून के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ संतन बर्थवाल, डॉक्टर शैलेश पांडे की टीम के द्वारा बोधि वृक्ष की जांच के बाद पाया गया कि यह उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है. बोधि वृक्ष पूरी तरह से सुरक्षित है. एफआरआई

देहरादून के वैज्ञानिकों ने बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य का आंकलन और रखरखाव के लिए कुछ आवश्यक प्रक्रिया को अपनाया. इस क्रम में बोधि वृक्ष की कुछ छोटी मृत शाखों को हटा दिया गया. पवित्र बोधि वृक्ष उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है. नियमित रखरखाव के हिस्से के रूप में कुछ छोटी मृत शाखाओं को हटा दिया गया. पत्तियों में संक्रमण का कोई संकेत नहीं है. पेड़ की समग्र स्थिति किसी भी समस्या से मुक्त पाई गई है, जो इसकी मजबूत जीवन शक्ति का संकेत देता है.- डॉक्टर संतन बर्थवाल, वैज्ञानिक, एफआरआई, देहरादून पत्तियों में संक्रमण के कोई संकेत नहीं वैज्ञानिकों को बोधि वृक्ष की पत्तियों में संक्रमण का कोई संकेत नहीं मिला. पेड़ की समग्र स्थिति किसी भी समस्या से मुक्त पाई गई. यह भी देखा गया कि पेड़ पर बड़ी संख्या में फल लग रहे हैं, जो इसकी मजबूत जीवन शक्ति का संदेश देता है. इस मौके पर बीटीएमसी सचिव डॉक्टर महाश्वेता महारथी, सदस्य अरविंद कुमार सिंह, मुख्य भिक्षु वेन के अलावे भिक्षु चालिंदा, भिक्षु दीनानंद आदि मौजूद थे.

आंध्र प्रदेशः सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा- राज्य का विकास कर गरीबों को लाभ पहुंचाएंगे

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का प्राथमिक लक्ष्य धन सृजन और गरीबों को लाभ पहुंचाकर राज्य का विकास करना है. मुख्यमंत्री नायडू ने बोम्मनहल्ली मंडल के नेमाकल्लू गांव में इंदिराम्मा कॉलोनी में विधवा पेंशनभोगियों के घर जाकर उन्हें पेंशन के रूप में नकद राशि सौंपी. बाद में मुख्यमंत्री नायडू ने कॉलोनी के लोगों से बातचीत करने के बाद स्थानीय मंदिर में भगवान अंजनेय के दर्शन किए. स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने रायलसीमा को बागवानी केंद्र में बदलने का वादा किया और कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य योजना तैयार करने के बाद रायदुर्गम नगरपालिका के लिए विशेष धनराशि आवंटित की जाएगी. नायडू ने कहा कि मोबाइल फोन के जरिए लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए सार्वजनिक सेवाओं को प्रौद्योगिकी से जोड़ा जाएगा. पिछले पांच सालों के शासन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इससे राज्य को भारी नुकसान हुआ. मुख्यमंत्री नायडू ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने का वादा किया।

कांग्रेस गाली के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाती है - प्रेम शुक्ला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता भाई जगताप द्वारा की गई विवादित टिप्पणी पर भाजपा

प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के लोग लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देने के काम करते रहे हैं। अब कांग्रेस का स्तर इतना गिर गया है कि वह संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। प्रेम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस बार-बार चुनाव हार रही है, इसलिए भाई जगताप इस तरह के बयान दे रहे हैं। वह आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं जो चुनाव आयोग को कुत्ता जैसे शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। कांग्रेस इस पर चुप्पी साधती हुई दिख रही है और यह इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस गाली के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाती है। भाई जपताप ने कहा है कि उन्होंने जो कहा उस पर वह अडिग हैं। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से आप अच्छी भाषा की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। यह्य लोग भाईगीरी के लिए जाने जाते हैं। भारत की टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। भाई जगताप ने कहा है कि खेल को खेल भावना से देखना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि यही कांग्रेसी कहते हैं पाकिस्तान के साथ रिश्ता नहीं रखना चाहिए। भारत में जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करेगा, हम राजनीति का संबंध नहीं रख रहे हैं। बीसीसीआई के फैसले का स्वागत होना चाहिए। भाई जगताप के कहने से कुछ नहीं होता है। शरद पवार ने कहा है कि महाराष्ट्र में सत्ता और पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि कांग्रेस तो उन्हें बैग और धन के लिए जानते हैं। वह इस तरह की बात कर रहे हैं, इससे ज्यादा हास्यपद बात नहीं हो सकती है। शिवसेना उद्धव गुट के नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि शिवसेना को महाविकास अघाड़ी से अलग होना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि उन्हें जो बुद्धि इस वक्त आई है। शायद यह बुद्धि उद्धव ठाकरे को भी आए तो वह औरंगजेब की आराधना बंद कर छत्रपति शिवाजी महाराज के आराधक बन जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को पानीपत आएंगे, बीमा सखी योजना शुरू करेंगेः नायब सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पानीपत की ऐतिहासिक भूमि से भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रायोजित बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को करनाल के कर्ण कमल में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यक्रम में न केवल बड़ी संख्या में महिलाओं को आमंत्रित जायेगा बल्कि प्रधानमंत्री का भी जोरदार स्वागत किया जायेगा। सरकार लोगों की अपेक्षाओं को तीव्र गति से पूरा करेगी। आज बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार निकाय चुनावों के लिये पूरी तरह से तैयार है। जल्दी ही स्थानीय निकाय के चुनाव कराये जायेंगे। इस समय पार्टी की सदस्यता अभियान जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री संबंधी प्रश्न पर कहाकि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है कि वह किसे विधायक दल का नेता चुनती है। जो भी विधायक दल का नेता चुना जाएगा उसे निवास उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। सरकार का प्रयास रहेगा कि 2 करोड़ 80 लाख लोगों की अपेक्षाओं को तीव्र गति से पूरा किया जाए।

रेलवे ने शुरू की हर ट्रिप के बाद कंबलों की यूवी सेनेटाइजेशन प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए व्यापक कोशिश कर रही है। यात्रियों को नई आरामदायक लेनिन की ज्यादा चौड़ी-लंबी चादर, अच्छी गुणवत्ता के साफ-सुथरे कंबल और खाने से लेकर तमाम चीजें इनमें शामिल हैं। अब रेलवे ने हर ट्रिप के बाद यूवी सेनेटाइजेशन प्रक्रिया शुरू की है।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंचार अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने आईएएनएस को बताया, रेलवे में उपयोग होने वाले लेनिन की सफाई हर उपयोग के बाद की जाती है। लेनिन की सफाई विशेष रूप से मैकेनिकल लॉन्ड्री में होती है, जो पूरी तरह से निगरानी में होती है, जिसमें सीसीटीवी कैमरे लगे होते हैं और पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जाती है। इसके अलावा, समय-समय पर अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाता है। मीटर से सफेदी की जांच करने के बाद ही लेनिन को आगे यात्रियों को दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा, उत्तर रेलवे द्वारा गुणवत्ता सुधार के लिए नए मानक लागू किए जा रहे हैं। इस समय यह सुधार राजधानी, तेजस जैसी विशेष और प्रतिष्ठित ट्रेनों में पायलट आधार पर लागू किया जा रहा है। ये नई प्रकार की लेनिन बेहतर गुणवत्ता की हैं, इनके आकार बड़े हैं और फैब्रिक भी ज्यादा अच्छा है, जिससे यात्री बेहतर अनुभव कर सकते हैं और ज्यादा संतुष्ट हो सकते हैं। ब्लैंकेट की सफाई को लेकर साल 2010 से पहले सफाई का प्रोटोकॉल था कि उसे हर दो या तीन महीने में एक बार साफ किया जाता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया हर महीने में दो बार की जा रही है। जहां लॉजिस्टिक समस्याएं होती हैं, वहां इसे महीने में कम से कम एक बार साफ किया जाता है। इसके अलावा, उत्तर रेलवे

हर 15 दिन में नेफ्थलीन वेपर हॉट एयर क्रिस्टलाइजेशन का प्रयोग करता है, जो एक बहुत प्रभावी और समय-परीक्षित तरीका है। इस प्रक्रिया से यात्रियों को एक बेहतर सफाई और सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा, अभी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यूवी सैनिटाइजेशन की शुरुआत की गई है, जिसमें हर राउंड ट्रिप पर अब ब्लैंकेट को यूवी किरणों से सैनिटाइज किया जाएगा। यह एक बहुत ही उन्नत और आधुनिक तकनीक है, जो आजकल व्यापक रूप से इस्तेमाल की जा रही है। इस प्रक्रिया को फिलहाल दो राजधानी ट्रेनों, जम्मू राजधानी और डिब्रूगढ़ राजधानी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। इस प्रयोग से मिले अनुभवों के आधार पर इसे भविष्य में अन्य ट्रेनों में भी लागू किया जाएगा।

परिवर्तन के पथप्रदर्शक के रूप में युवा भारत की विकास गाथा का नेतृत्व करेंगेः ओम बिरला : फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद में मानव रचना विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि आज के युवाओं में अपार ऊर्जा, नवीन क्षमताएं और आमूलचूल परिवर्तन लाने की क्षमता है जो समय की मांग है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि 21वीं सदी भारत की है और नवाचार के पथप्रदर्शक और परिवर्तन के वाहक के रूप में युवा देश की विकास गाथा का नेतृत्व करेंगे।

फरीदाबाद में मानव रचना विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि आज के युवाओं में अपार ऊर्जा, नवीन क्षमताएं और आमूलचूल परिवर्तन लाने की क्षमता है जो समय की मांग है। बिरला ने कहा कि 21वीं सदी भारत और उसके युवाओं की है, जो दुनिया भर के देशों में नवाचार क्रांति ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुला संवाद और चर्चाएं देश की प्रगति के केंद्र में रही हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपनी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प का उपयोग करना चाहिए। वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश महानता हासिल करने वाला है।

टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ , एजेंसी। हरियाणा सरकार ने टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी और कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति, फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। सरकार की ओर से यह कदम राज्य में कर चोरी पर नियंत्रण पाने और राज्य के राजस्व में वृद्धि करने के लिए उठाया गया है। इसके लिए सरकार ने आबकारी एवं कराधान विभाग में शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने पोर्टल बनाने के निर्देश दिए हैं। टैक्स चोरी की सूचना देने वाले की जानकारी गुप्त रखी जाएगी। हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि इस पहल से लोग टैक्स चोरी की

गतिविधियों के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी दें, ताकि राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी हो सके और राज्य में कानून-व्यवस्था में सुधार हो। मुख्यमंत्री सैनी ने प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक पोर्टल बनाने के आदेश दिए हैं, जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी की सूचना दे सकता है। इस पहल का उद्देश्य हरियाणा राज्य में नशे की समस्या को नियंत्रित करना और इसे समाप्त करने के लिए एक ठोस कदम उठाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस पोर्टल को जल्द से जल्द स्थापित करें और इसके संचालन के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र तैयार करें। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि नशा तस्करी को रोकने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए मिलकर कार्य करें। जिससे नशे की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके। इसके अलावा ऐसे व्यक्तियों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच करने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए किए गांवों में शराब के ठेकों को घर, स्कूलों और धार्मिक स्थलों से उचित दूरी पर ही स्थापित किए जाएं।

गाजियाबाद में छात्रावास में डेंटल छात्रा ने आत्महत्या की

गाजियाबाद, एजेंसी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ कमरे का दरवाजा तोड़ा और पाया कि रेणुका का शव फंदे से लटका हुआ था। एसीपी ने कहा कि पुलिस मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। गाजियाबाद जिले के निवाड़ी कस्बे में स्थित दिव्य ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के छात्रावास में शनिवार को दंत चिकित्सा में मास्टर कर रही 26 वर्षीय छात्रा ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को गाजियाबाद के निवाड़ी में दिव्य ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के छात्रावास के 302 नंबर कमरे में एमडीएस छात्रा रेणुका यादव (26) मृत मिली। मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि विस्तृत जांच के लिए उसके फोन कॉल का विवरण सुरक्षित कर लिया गया है। पुलिस को उसके कमरे से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें रेणुका ने लिखा है कि इस कदम के लिए वह ही जिम्मेदार है। एसीपी ने बताया, शुक्रवार को उसने अपने शिक्षकों को बताया था कि वह कक्षाओं में आएगी, लेकिन जब वह नहीं आई तो कुछ विद्यार्थियों को उसे देखने के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि दरवाजे पर की गई दस्तक पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर छात्रावास वार्डन को सूचित किया गया, जिन्होंने निवाड़ी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ कमरे का दरवाजा तोड़ा और पाया कि रेणुका का शव फंदे से लटका हुआ था। एसीपी ने कहा कि पुलिस मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। राय ने बताया कि उसके माता-पिता की ओर से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

हमारे समूह पर हुए हमलों ने हमें मजबूत बनाया है : गौतम अदाणी

जयपुर, एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शनिवार को कहा कि अदाणी ग्रुप पर होने वाला हर हमला समूह को और मजबूत बनाता है तथा हर बाधा एक सीढ़ी बन जाती है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स शो के दौरान गौतम अदाणी ने पहली बार अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग के पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, यह पहली बार नहीं है जब हमें ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मैं आपको बता सकता हूं कि हर हमला हमें मजबूत बनाता है और हर बाधा अदाणी समूह के लिए एक सीढ़ी बन जाती है। गौतम अदाणी ने बताया कि किस तरह उनकी राष्ट्र निर्माण की सोच ने उन्हें विरोधियों के निशाने पर रखा है। साल 2010 का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जब हम ऑस्ट्रेलिया में एक कोयला खदान में निवेश कर रहे थे, तो हमारा उद्देश्य स्पष्ट था, भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में सुरक्षित कैसे बनाया जाए और हर दो टन खराब गुणवत्ता वाले भारतीय कोयले को ऑस्ट्रेलिया के एक टन उच्च गुणवत्ता वाले कोयले से बदला जाए? हालांकि, गैर-सरकारी संगठनों का बड़ा विरोध था और यह लगभग एक दशक तक चला। अब हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में एक वर्ल्ड क्लास ऑपरेशनल खदान है। तथ्य यह

है कि शत-प्रतिशत इक्विटी फंडिंग ने हमारी ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट से 30 अरब डॉलर से अधिक का लोन फाइनेंस छीन लिया है।

गौतम अदाणी ने जनवरी 2023 में समूह के खिलाफ शॉर्ट-सेलिंग का भी उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जब उनका समूह अपनी फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफरिंग लॉन्च करने की तैयारी कर रहा था, तब उन पर दोहरी मार पड़ी थी - उनकी वित्तीय स्थिरता को निशाना बनाया गया और उनके नाम पर राजनीतिक विवाद खड़ा किया गया।

उन्होंने कहा, लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत बनी रही। भारत के अब तक के सबसे बड़े एफपीओ से सफलतापूर्वक 20 हजार करोड़ रुपये जुटाने के बाद हमने उन रुपयों को निवेशकों को वापस लौटाने का असाधारण निर्णय लिया। इसके बाद हमने कई अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से पूंजी जुटाकर और सक्रिय रूप से अपने ऋण-ईबीआईटीडीए अनुपात को 2.5 से कम करके ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में एक अविश्वसनीय मीट्रिक पेश किया। गौतम अदाणी ने कहा कि अमेरिकी न्याय विभाग के मामले में तथ्य यह है कि बहुत सारी एकतरफा रिपोर्टिंग के बावजूद अदाणी पक्ष के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए के उल्लंघन या न्याय में बाधा डालने की किसी साजिश का आरोप नहीं लगाया गया है। फिर भी, आज की दुनिया में नकारात्मकता तेजी से फैलती है।

उन्होंने कहा, इन वर्षों में, मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं, वे (दूसरों से) आगे होने की कीमत हैं। आपके सपने जितने बोल्ड होंगे, दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी। लेकिन, आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिस पर पहले कभी कोई न चला हो। पायनियरिंग करने का अर्थ है अज्ञात को अपनाना, सीमाओं को तोड़ना और अपने दृष्टिकोण पर तब भी विश्वास करना जब दुनिया इसे अभी तक नहीं समझ पाई हो।

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने जीता खिताब

लखनऊ, एजेंसी। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब अपने नाम कर लिया। त्रीसा-गायत्री की जोड़ी ने फाइनल में चीन की बाओ लि जिंग और लि कियान की जोड़ी को हराया और अपना पहला सुपर 300 बैडमिंटन खिताब जीत लिया। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य विजेता भारतीय जोड़ी ने इसके साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई कर लिया। त्रीसा-गायत्री ने सिर्फ 40 मिनट में लि जिंग और लि कियान की जोड़ी को 21-18, 21-11 से हराया। त्रीसा-गायत्री भारत की पहली महिला युगल जोड़ी बन गई है जिन्होंने इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है। त्रीसा और गायत्री की जोड़ी 2022 सीजन में उपविजेता रही थी।

तनीषा-कपिल और कृष्णमूर्ति-प्रतीक फाइनल में हारे

भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उपविजेता के तौर पर समाप्त किया। पृथ्वी और साई ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह

और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18, 14-21, 8-21 से पराजित हो गई।

पृथ्वी और साई ने पहले गेम में 8-8 की बराबरी हासिल की हुई थी लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में वापसी करते हुए भारतीयों ने ब्रेक तक 11-7 से बढ़त बना ली और यह गेम हासिल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने साई के ताकतवर स्मैश की बदौलत 1-5 से उबरते हुए 7-7 से बराबरी प्राप्त की। लेकिन 17-18 का अंतर कम करने के बावजूद चीन की जोड़ी ने संयम बरतते हुए मैच जीत लिया। मिश्रित युगल के फाइनल में तनीषा और ध्रुव 6-0 से आगे थे। लेकिन थाईलैंड की जोड़ी ने वापसी करते हुए बढ़त 14-12 कर दी। दोनों जोड़ियां फिर 18-18 से बराबर थीं। तनीषा ने अहम मौके पर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाया और पहला गेम भारतीयों की झोली में चला गया।

टीम इंडिया के लिए रोहित शर्मा ने दी बड़ी कुर्बानी !

● 6 साल बाद देखने को मिल सकता है ये नजारा

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में रोहित शर्मा के बिना उतरी थी. लेकिन एडिलेड टेस्ट में रोहित शर्मा ही टीम की कमान संभालेंगे. पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी के लिए टीम इंडिया प्राइम मिनिस्टर ङ्ग1 के खिलाफ दो दिवसीय वॉर्म अप मैच कैनबरा में खेल रही है. टीम इंडिया को अपना बल्लेबाजी संयोजन तय करने के लिए सिर्फ 1 दिन का ही समय मिला है. इसी से टीम को प्लेइंग-11 की समस्या को भी दूर करना है. ऐसे में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक बड़ा फैसला लिया है, जिससे प्लेइंग 11 को लेकर एक बड़ा संकेत मिला है. रोहित शर्मा की जगह पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने ओपनिंग की थी, ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि रोहित की वापसी के बाद राहुल कहां खेलेंगे? इस सवाल का जवाब कहीं ना कहीं वॉर्म अप मैच से मिल गया है. दरअसल, इस मुकाबले में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने ही पारी की शुरुआत की है, यानी एडिलेड में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल सकता है. केएल राहुल ने पर्थ टेस्ट की पहली पारी में 26 रन और दूसरी पारी में 77 रन बनाए थे. इस मैच में वह काफी कंट्रोल में नजर आए थे, ऐसे में रोहित एडिलेड टेस्ट में अपनी कंट्रोल की कुर्बानी दे सकते हैं.

6 साल बाद देखने को मिल सकता है ये नजारा

बता दें, रोहित शर्मा ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत बतौर ओपनर नहीं की थी. वह टीम इंडिया के लिए मिडिल ऑर्डर या फिर लोअर ऑर्डर में ही खेलते थे. उन्होंने साल 2019 से टेस्ट में ओपनिंग की शुरुआत की थी. इससे बाद से ही वह टेस्ट में लगातार ओपनिंग करते हुए आ रहे हैं. बता दें, रोहित ने साल 2018 में आखिरी बार बिना ओपनर के टीम इंडिया के लिए टेस्ट मैच खेला था. तब रोहित 2018 ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबॉर्न में छठे नंबर पर खेले थे. अब 6 साल बाद वह एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया में ही बिना ओपनिंग के खेलते हुए नजर आ सकते हैं.

पृथ्वी शॉ की पारी से जीता मुंबई

नईदिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के ग्रुप सी के मुकाबले में झारखंड का सामना हरियाणा के साथ हुआ। इस मैच में विराट सिंह ने कप्तानी पारी खेलते हुए झारखंड को एक विकेट से जीत दिलाई तो वहीं इस टूर्नामेंट में ग्रुप ई के मुकाबले में मुंबई ने नागालैंड को 7 विकेट से हरा दिया और मुंबई की जीत में पृथ्वी शॉ चमक गए। हालांकि इस मैच में मुंबई के गेंदबाज खास तौर पर शार्दुल ठाकुर और मोहित अवस्थी की गेंदबाजी शानदार रही।

मुंबई को जीत के लिए 108 रन का आसान लक्ष्य मिला था और इस टीम के लिए ओपनर पृथ्वी शॉ ने 29 गेंदों पर 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से 40 रन की तेज पारी खेली जबकि अंगकृष रघुवंशी ने भी 41 रन बनाए और नाबाद रहे। कप्तान श्रेयस अय्यर इस मैच में बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराया

● बेथेल की डेब्यू मैच में फिफ्टी और कार्से के 6 विकेट

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। जैकब बेथेल के डेब्यू मैच में नाबाद अर्धशतक और उसके बाद ब्रायडन कार्से (6-42) की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन 8 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की 8 विकेट की जीत ने उन्हें तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाने में मदद की और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उनके स्टैंडिंग पॉइंट प्रतिशत को 43.75 के साथ सुधारा है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने अपने पॉइंट प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक गिरा दिया और उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल क्वालीफिकेशन की संभावनाओं को भारी झटका लगा।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन हैगले ओवल में 155/6 से आगे खेलने के बाद न्यूजीलैंड ने अपने ओवरनाइट स्कोर में 99 रन जोड़े, क्योंकि कार्से ने सुबह के सत्र में मेजबान की सकारात्मक शुरुआत को बाधित करते हुए रविवार को अपनी दूसरी पारी में 254 रन पर समेट दिया। कार्से ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/42 के आंकड़े की मदद से शेष चार विकेटों में से तीन को चटकाया जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि इंग्लैंड को जीत हासिल करने के लिए केवल 104 रनों का पीछा करना पड़ा।

यह कार्य 8.21 की प्रभावशाली स्कोरिंग दर से आसानी से पूरा हुआ, क्योंकि जैकब बेथेल ने अपने डेब्यू पर शानदार नाबाद अर्धशतक लगाया जिसे केवल 37 गेंदों में हासिल किया गया, जिससे इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

जबकि कार्से अपने 10/106 के गेंदबाजी आंकड़े के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जो 16 वर्षों में विदेश में 10 विकेट लेने वाले पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैं। बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर न्यूजीलैंड ने वापसी कर रहे केन विलियमसन के शानदार 93 रनों की बदौलत पहली पारी में 348 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड 71/4 पर संघर्ष कर रहा था इससे पहले हैरी ब्रूक के 171 रनों की मदद से मेहमान टीम ने 151 रनों की शानदार बढ़त हासिल की जो उनकी जीत की वजह बना।

जो रूट ने टेस्ट मैचों की चौथी पारी में बनाए सबसे ज्यादा रन

सचिन तेंदुलकर को छोड़ा पीछे

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। स्टार बल्लेबाज जो रूट ने हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड की 8 विकेट की जीत के दौरान टेस्ट क्रिकेट की चौथी पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। रूट ने अपनी 22 रन की तेज पारी के दौरान चौथी पारी में तेंदुलकर के 1625 रनों के आंकड़े को पार किया जिससे इंग्लैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

रूट के नाम वर्तमान में चौथी पारी में 1630 रन दर्ज हैं। पिछले महीने रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ा था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक जड़कर शतकों की संख्या में कुक को पीछे छोड़ दिया था और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए थे।

मुंबई के लिए आखिरी 2 मैच खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

मुंबई, एजेंसी। 20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह हैदराबाद में होने वाले आखिरी दो टी20 मैच खेलेंगे। मुंबई अपने आखिरी दो मैचों में 3 दिसंबर और 5 दिसंबर को सर्विसेज और आंध्र से भिड़ेगी। सूर्यकुमार यादव अपनी बहन की शादी के कारण चार लीग मैच नहीं खेल पाए और अब उनके सोमवार शाम को मुंबई टीम से जुड़ने की उम्मीद है। सूत्र ने बताया, उन्होंने हमें बताया है कि वे आखिरी टी20 मैच खेलने के इच्छुक हैं और एमसीए ने उनका नाम जोड़ दिया है। वे सोमवार को वापस आएंगे। सूर्यकुमार यादव को 5वें नंबर पर खेलना पड़ सकता है. यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या मुंबई की टीम भारत के शॉर्ट फॉर्मेट कप्तान के लिए अपनी बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करेगी। मुंबई के टॉप -4 में पृथ्वी शॉ, अंगकृष रघुवंशी, श्रेयस अय्यर और अजिंक्य रहाणे ने बल्लेबाजी की है। अगर सूर्यकुमार यादव टीम में आते हैं तो उन्हें पांचवें नंबर पर उतरना पड़ सकता है। मिस्टर 360 डिग्री भारतीय टीम के लिए शीर्ष चार में बल्लेबाजी करते हैं। टीम प्रबंधन और मुंबई के कप्तान अय्यर उनकी बल्लेबाजी क्रम पर फैसला लेंगे। जब एमसीए के एक अधिकारी ने सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, + सूर्यकुमार यादव एक टीम मैन है, वह किसी भी पोजिशन पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, अगर टीम चाहे तो वह अपनी पोजिशन का त्याग भी कर सकते हैं। भारत के लिए खेलने के बावजूद उन्होंने कभी कोई घरेलू मैच नहीं छोड़ा है। जब वह खाली होते हैं, तो वह भारत का एकमात्र खिलाड़ी हैं, जो मुंबई के मैदानों पर मैच खेलते हैं। उन्हें खेलना पसंद है।

19 साल का बल्लेबाज अकेले टीम इंडिया पर पड़ा भारी

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया की प्राइम मिनिस्टर्स के बीच पिंक बॉल से वॉर्म अप मैच खेला जा रहा है. कैनबरा में हुए इस मुकाबले में 19 साल के ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज सैम कॉन्सटस ने महज 90 गेंद में शतक ठोक दिया. ओपनिंग करते हुए उन्होंने 97 गेंद में 107 रन की पारी खेली. बता दें पैट कमिंस की टीम फिलहाल ओपनिंग जोड़ी को लेकर परेशान है. इसके बावजूद कॉन्सटस को पर्थ टेस्ट में मौका नहीं दिया था. उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने वाले नाथन मैकस्वीने को पहले टेस्ट में ओपन करने की जिम्मेदारी दी थी, जो भारत के सामने फेल रहे थे.

अकेले टीम इंडिया पर पड़े भारी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट एडिलेड में पिंक बॉल से खेला जाएगा. यह एक डे-नाइट टेस्ट होगा. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की प्राइम मिनिस्टर्स के खिलाफ टीम इंडिया पिंक बॉल से वॉर्म अप मैच खेल रही है. मुकाबला का पहला दिन बारिश के कारण रद्द होने के बाद दूसरे दिन कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी. प्राइम मिनिस्टर्स के लिए खेल रहे सैम कॉन्सटस अपने ओपनिंग मैट रेनशॉ

के साथ बैटिंग करने आए.

22 रन पर उनकी टीम ने 2 विकेट गंवा दिए. इसके बाद कॉन्सटस ने पहले सिराज और आकाश दीप के कठिन स्पेल का सामना किया. फिर नजरें जमाने के बाद बड़े शॉट खेलने शुरू किए और 90 गेंद में शतक जड़ दिया. इस दौरान उन्होंने 14 चौके और 1 छक्का लगाया. हर्षित राणा के कहर के बावजूद वो टिके रहे. जहां उनकी टीम के 9 बल्लेबाजों ने मिलकर 126 रन बनाए, वहीं कॉन्टस ने अकेले 107 रन बना डाले.

फिर हुआ अनिल कुंबले जैसा कारनामा

बिहार के सुमन कुमार ने एक ही पारी में सभी 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक कारनामा

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार का समस्तीपुर शहर तब चर्चाओं में आया था जब IPL 2025 मेगा ऑक्शन में 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था. अब इसी शहर से आने वाले सुमन कुमार ने एक ही पारी में सभी 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया है. कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 टूर्नामेंट में राजस्थान के खिलाफ मैच में बिहार के लिए खेलते हुए कुमार ने 10 विकेट लिए हैं. उनका यह कारनामा इसलिए भी यादगार बना क्योंकि पारी के 36वें ओवर में उन्होंने हैट्रिक भी ली है.

पटना के मोईन उल हक स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच की पहली पारी में बिहार ने 467 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था. बिहार के लिए दीपेश गुप्ता ने नाबाद 183 रन और पृथ्वी राज ने भी 128 रनों की पारी खेली थी. जवाब में राजस्थान को शुरुआत तो

अच्छी मिली, लेकिन सुमन कुमार ने ऐसा कहर बरपाया कि उन्होंने राजस्थान टीम के सभी 10 विकेट चटका डाले. उन्होंने 33.5 ओवर गेंदबाजी की, जिनमें उन्होंने 53 रन देकर 10 विकेट लिए. भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले इंटरनेशल क्रिकेट में ऐसा कारनामा कर चुके हैं.

36वें ओवर में हैट्रिक

सुमन कुमार ने पारी के 36वें ओवर में हैट्रिक भी ली. उन्होंने मोहित भगतानी, अनस और फिर सचिन शर्मा को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया.

ये भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट के मौजूदा सीजन में दूसरा मौका है जब किसी गेंदबाज ने एक ही पारी में 10 विकेट लिए हों. उनसे पहले रणजी ट्रॉफी 2024-2025 में हरियाणा के लिए खेलते हुए अंशुल कंबोज ने केरल के खिलाफ भिड़त में सभी 10 विकेट लिए थे. बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने सुमन कुमार की तारीफ में कहा, सुमन कुमार द्वारा एक ही पारी में 10 विकेट लेना बिहार क्रिकेट के लिए गौरव का विषय है. उनकी स्किल और क्रिकेट को लेकर प्रतिबद्धता बिहार में क्रिकेट के बढ़ते स्तर को दर्शाता है. यह दर्शाता है कि बिहार राज्य अब राष्ट्रीय स्तर पर बढ़िया खिलाड़ियों को तैयार कर रहा है.

बैडमिंटनः

सैयद मोदी बैडमिंटन टूर्नामेंट में सिंधु ने उन्नति और लक्ष्य ने शोगो को हराया

फाइनल में पहुंचे

नईदिल्ली, एजेंसी। पीवी सिंधू ने शनिवार को हमवतन उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में हराकर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल में अल्मोढ़ा के लक्ष्य सेन ने जापान के शोगो ओगावा को 42 मिनट में 21-8, 21-14 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को हमवतन उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में हराकर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। सिंधू सैयद मोदी टूर्नामेंट में अपने तीसरे खिताब की दहलीज पर हैं। पुरुष एकल में अल्मोढ़ा के लक्ष्य सेन ने जापान के शोगो ओगावा को 42 मिनट में 21-8, 21-14 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में 17 साल की उन्नति को केवल 36 मिनट में 21-12, 21-9 से हरा दिया। उन्नति ने कई बेजा गलतियां की जिससे सिंधू ने आसानी से मैच पर नियंत्रण बना लिया। पूर्व विश्व चैंपियन और अब दुनिया में 18वें नंबर की खिलाड़ी का सामना अब थाईलैंड की लालिनराट चाइवान और चीन की लुओ यू वू के बीच होने वाले अन्य सेमीफाइनल के विजेता के साथ होगा।

तनीषा और ध्रुव की जोड़ी भी खिताबी मुकाबले में

इससे पहले तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने चीन की झी होंग झोउ और जिया यी यांग की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त तनीषा-कपिला की भारतीय जोड़ी ने 42 मिनट तक चले सेमीफाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 21-16, 21-15 से हराया।

उनका अगला मुकाबला चीन की पिन यी लियाओ और के शिन हुआंग तथा थाईलैंड की डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसरा पेवसम्प्रान की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने कोंडोर-एफकेए रडार सैटेलाइट किया लांच

व्लादिवोस्तोक, एजेंसी। रूस ने शनिवार सुबह देश के सुदूर पूर्व की वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से सोयुज-2.1ए रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। रॉकेट ने कोंडोर-एफकेए नंबर 2 रडार सैटेलाइट को लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत रडार प्रौद्योगिकी से लैस, कोंडोर-एफकेए उपग्रहों ने ऑल-वेदर, राउंड-द-क्लॉक अर्थ ऑब्जर्वेशन के लिए देश को सक्षम बना दिया है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉस्कॉस्मॉस ने एक बयान में घोषणा की, दूसरा रडार सैटेलाइट, कोंडोर-एफकेए, ऑर्बिट तक पहुंच गया है! लॉन्च सिस्टम ने योजना के अनुसार काम किया। ऑप्टिकल उपग्रहों के विपरीत, कोंडोर-एफकेए श्रृंखला बादलों के पार से भी धरती पर नजर रख सकती है और अंधेरे में काम कर सकती है। अपनी इस खूबी की वजह से ये सेटेलाइट विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए बहुत सक्षम हैं। इन कार्यों में मैपिंग, पर्यावरण निगरानी, प्राकृतिक संसाधन अन्वेषण, और मार्गदर्शक जहाजों को बर्फ से ढंके मार्गों पर गाइड करना शामिल है, जैसे कि उत्तरी ध्रुवीय रातों के दौरान समुद्री मार्ग में। एनपीओ माशिनोस्ट्रॉयोनिया डिजाइन ब्यूरो द्वारा विकसित कोंडोर श्रृंखला के इन सेटेलाइटों ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार प्रगति की है। पहले दो उपग्रहों को 2013 और 2014 में लॉन्च किया गया था, जबकि कोंडोर-एफकेए नंबर 1 ने 2023 में कक्षा में प्रवेश किया था। वर्तमान में दो और उपग्रह निर्माणाधीन हैं, जिसमें तीसरा कोंडोर-एफकेए 2026 में लॉन्च किया जाएगा। प्रत्येक कोंडोर-एफकेए उपग्रह का वजन लगभग 1,050 किलोग्राम होता है और इसकी लाइफ पांच साल की होती है।

सूडान के गांवों पर अर्धसैनिक बलों के हमले में 12 की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के गेजिरा राज्य के गांवों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने कहा कि आरएसएफ ने गुरुवार को पश्चिमी गेजिरा के अल-महेरिबा क्षेत्र में आठ गांवों को निशाना बनाया। इस दौरान वहां के निवासियों पर भारी गोलीबारी और हमले किए। समूह ने एक बयान में कहा, हमलों और गोलाबारी में अब तक मरने वालों की संख्या 12 हो गई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। वहीं, आरएसएफ ने आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले 24 नवंबर को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बताया था कि पश्चिमी सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 15 नागरिक मारे गए थे। जबकि, 20 अन्य घायल हो गए थे। डिवीजन ने एक बयान में कहा था कि आरएसएफ मिलिशिया ने उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर के नैवाशा बाजार पर 23 नवंबर की शाम को तीन होवित्जर तोपों से हमला किया गया। डिवीजन ने आरएसएफ पर बाजारों और सभा स्थलों पर गोलीबारी करके नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। समाचार एजेंसी शि?न्हुआ के अनुसार, 10 मई से अल फशेर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक झड़पें चल रही हैं। आर्मड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट के ताजा अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष में अब तक 27,120 से अधिक लोगों की मौत को चुकी है। वहीं, 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम जॉर्जिया मेलोनी की नीतियों के विरोध में लाखों कर्मचारियों ने की हड़ताल

रोम, एजेंसी। इटली में लाखों श्रमिकों ने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के 2025 के बजट, महंगाई और कम मजदूरी के विरोध में आठ घंटे की हड़ताल की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इटली के दो मुख्य ट्रेड यूनियनों, इटालियन जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (सीजीआईएल) और इटालियन लेबर यूनियन (यूआईएल) की तरफ से इस हड़ताल का आयोजन किया गया था। इस हड़ताल में कई क्षेत्रों के कर्मचारी शामिल थे। हालांकि इसमें ट्रेन कर्मचारी शामिल नहीं थे, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में एक अलग विरोध प्रदर्शन किया था। परिवहन मंत्रालय के आदेश के के चलते स्थानीय परिवहन, नौका और वायुमार्ग क्षेत्र के कर्मचारियों ने आठ घंटों के बजाय को चार घंटे तक काम रोका। इसके बावजूद, हड़ताल में महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। आयोजकों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी कार्रवाई में शामिल हुए। इटली की प्रमुख एयरलाइन, आईटीए को 18 अंतरराष्ट्रीय रूट समेत 109 उड़ानें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीजीआईएल के अनुसार, रोम, मिलान, ट्यूरिन, बोलोग्ना और नेपल्स सहित कम से कम 43 शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और रैलियां हुईं, जिनमें अनुमानित 5,00,000 लोग शामिल हुए। बजट का उद्देश्य इटली के उच्च सार्वजनिक ऋण संबंधी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल होंगे एफबीआई डायरेक्टर

पिछले कार्यकाल में इंटेलिजेंस में काम कर चुके ; गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के अगले डायरेक्टर के लिए भारतवंशी कश्यप काश पटेल के नाम की घोषणा की है। ट्रम्प ने इसकी घोषणा शनिवार को उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। इस पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। इससे पहले काश पटेल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

काश पटेल को बताया अमेरिका फर्स्ट फाइटर : ट्रम्प ने कहा कि मुझे गर्व है कि कश्यप काश पटेल स्नद्भ के अगले डायरेक्टर के तौर पर काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टीगेटर हैं। काश पटेल की तारीफ करते हुए ट्रम्प ने उन्हें 'अमेरिका फर्स्ट' वाला फाइटर बताया। ट्रम्प ने कहा कि काश पटेल ने अपना करियर भष्ट्राचार को उजागर करते, न्याय और अमेरिकी लोगों की रक्षा करते हुए बिताया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते क्राइम रेट, क्रिमिनल गैंग और बॉर्डर पर होने वाली मानव और ड्रग तस्करी जैसे अपराधों से निपटने के लिए काश पटेल को ये जिम्मेदारी दी गई है।

गुजराती परिवार में जन्मे, माता-पिता युगांडा से भागे : काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली। 2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़े लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा। काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडेन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था। इस वजह से विपक्ष उन पर नाराज हो गया। किसी कानूनी पचड़े से बचने के लिए ट्रम्प ने इस मामले में मदद के लिए सलाहकारों की एक टीम बनाई। इसमें काश पटेल का भी नाम था। तब उनका नाम देख हर किसी को हैरानी हुई थी। काश पटेल 2019 में ट्रम्प प्रशासन से जुड़ने के बाद तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते गए। ट्रम्प प्रशासन में वे सिर्फ 1 साल 8 महीने रहे, लेकिन सबकी नजरों में आ गए। मैगजीन द अटलांटिक की एक रिपोर्ट में पटेल को ट्रम्प के लिए कुछ भी करने वाला शख्स बताया गया है। ट्रम्प प्रशासन में जहां पहले से लगभग सभी लोग ट्रम्प के वफादार थे, वहां भी उन्हें ट्रम्प के सबसे वफादार लोगों में गिना जाने लगा था।

इस्कॉन का दावा- बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया, केंद्र में तोड़फोड़ की गई

कोलकाता/ढाका, एजेंसी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमलों की एक श्रृंखला के बीच बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया है, और इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की गई। यह घटनाक्रम इस सप्ताह की शुरुआत में देशद्रोह के आरोप में एक अन्य भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच हुआ है। युवा पुजारी, जिसकी पहचान श्याम दास के रूप में हुई है, को कथित तौर पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह जेल में चिन्मय दास से मिलने गया था। राधारमण दास ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, क्या वह आतंकवादी जैसा दिखता है? निर्दोष इस्कॉन ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली है। हालांकि, श्याम दास की गिरफ्तारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, 200 से अधिक मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। इस सप्ताह, बांग्लादेश के अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल है। यह उच्च न्यायालय में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका के साथ मेल खाता है, जिसमें अटॉर्नी जनरल ने संगठन को धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा है। हालांकि, अदालत ने वैश्विक संगठन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की गूंज सीमा पार भी हुई है, कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के बाहर धार्मिक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन देखा गया। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि हिंदुओं के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेशी सरकार की जिम्मेदारी है।

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं 2 दिसंबर को बाधित रहेंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बाधित रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत के कारण होगी। देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार, 2 दिसंबर को सुबह 3ः00 बजे से लेकर 5ः59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं। पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं, बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तार के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने दी। राधारमण दास के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया।

अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब, गाजा युद्ध की वजह से लिया फैसला

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब अमेरिका के साथ बड़ी डिफेंस डील साइन करने की मांग से पीछे हट गया है। इस डील के बदले सऊदी को इजराइल के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने थे। अब वो अमेरिका पर किसी छोटे डिफेंस मिलिट्री कॉर्पोरेशन एग्रीमेंट साइन करने के लिए दबाव बना रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, गाजा युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट और मुस्लिम देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा है। ऐसे में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ऐसा कोई बड़ा समझौता नहीं करना चाहते हैं। हालांकि, एमबीएस की शर्त है कि अगर इजराइल फिलिस्तीन देश बनाने के लिए ठोस कदम उठाता है तो वो उसे मान्यता दे सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू यह जानते हैं कि अगर वो हमास को किसी भी तरह की रियायत देते हैं तो उन्हें अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दोनों नेता अपने-अपने देश की आंतरिक राजनीति में उलझे हुए हैं।

बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले डील हो सकती है : वेस्टर्न डिप्लोमैट्स ने रॉयटर्स से कहा- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी भी सऊदी अरब के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए एक्साइटेड हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मील का पत्थर साबित होगा। इससे अरब दुनिया में इजराइल को बड़े पैमाने पर एक्सेप्टेंस मिलेगी। सऊदी और अमेरिका को उम्मीद है कि जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले एक छोटे डिफेंस मिलिट्री एग्रीमेंट पर साइन हो सकता है। इस समझौते में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, डिफेंस इंडस्ट्री में पार्टनरशिप और हाई टेक्निक में सऊदी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना शामिल है।

फुल डिफेंस डील को स्न सीनेट में दो तिहाई बहुमत जरूरी : रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी अमेरिकी-सऊदी फुल डिफेंस डील का अमेरिकी सीनेट में दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। जब तक सऊदी इजराइल को मान्यता नहीं देता, यह मुमकिन नहीं होगा। इस वक्त जिस समझौते पर बात चल रही है उसमें ईरान के खतरों से निपटने के लिए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल है। यह अमेरिका और सऊदी डिफेंस फर्मों के बीच पार्टनरशिप को बढ़ावा देगा, और चीन-सऊदी की बढ़ती साझेदारी पर लगाम लगाएगा। यह समझौता एग्रीमेंट हाई टेक्नोलॉजी, खास तौर पर ड्रोन इंडस्ट्री में सऊदी निवेश को बढ़ावा देगा। हालांकि, इस डील में अमेरिका पर सऊदी को किसी भी हमले से बचाने की जिम्मेदारी नहीं होगी। इस एग्रीमेंट को लेकर सबसे बड़ी चिंता डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस वापस लौटने की है। ट्रम्प कभी भी अलग फिलिस्तीन देश बनाने के समर्थक नहीं रहे हैं। हालांकि, अरब अधिकारियों का मानना है कि ट्रम्प और उनके दामाद जेरेड कुशनेर के मोहम्मद बिन सलमान से काफी अच्छे रिश्ते हैं, ऐसे में वो उन्हें इसके लिए राजी कर लेंगे।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन के कब्जे वाली जमीन नाटो कंट्रोल करे

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में यूक्रेन के नियंत्रण वाले हिस्से नाटो के कंट्रोल में देने की बात की है। उनके मुताबिक, अगर नाटो इस इलाके को अपने कंट्रोल में ले लेता है तो युद्ध खत्म हो जाएगा। जेलेंस्की ने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से कहा- अगर हम वॉर को हॉट जोन में जाने से रोकना चाहते हैं, तो हमें यूक्रेन के उस हिस्से को नाटो के कंट्रोल में लाना होगा जो हमारे पास है। जेलेंस्की ने एक ऐसा सिस्टम डेवलप करने की जरूरत बताई जिससे यह तय किया जाए कि रूस भविष्य में दोबारा हमला न कर सके। उन्होंने कहा- अगर हम युद्धविराम की बात करते हैं, तो हमें इस बात की गारंटी चाहिए कि पुतिन वापस नहीं आएंगे।

नाटो यूक्रेनी इलाकों के सिक्योरिटी की गारंटी ले : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें यह काम तेजी से करना होगा, इसके बाद यूक्रेन डिप्लोमैटिक तरीके से अपने इलाके का दूसरा हिस्सा भी वापस पा लेगा। उन्होंने नाटो से मांग की कि वो यूक्रेन के कंट्रोल वाले इलाके की सिक्योरिटी का गारंटी ले, ताकि वॉर को बढ़ने से रोका जा सके। जेलेंस्की के मुताबिक, वो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के हिस्से वापस पाने के लिए इंतजार करेंगे। अगर किसी समझौते से यूक्रेन के बाकी हिस्सों की सुरक्षा होती है तो यह लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों देश एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों से हमले कर रहे हैं।

ट्रम्प एक दिन में वॉर रुकवाने का दावा कर चुके हैं : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद युद्धविराम और पीस ट्रीटी की चर्चा तेज हो गई है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रम्प ने लगातार दावा किया था कि अगर वो राष्ट्रपति बनेंगे तो एक दिन में यूक्रेन वॉर रुकवा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बार में कोई डिटेल जानकारी नहीं दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने यूक्रेन के लगभग 18त्न हिस्से पर कब्जा कर लिया है। युद्ध शुरू होने से पहले जेलेंस्की लगातार पूरे यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की मांग कर रहे थे।

जिस खालिस्तानी आतंकी पर दर्ज हैं 70 मुकदमे, उसे कनाडा ने दी जमानत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तानियों से दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मोस्?ट वांटेड गैंगस्टर अर्श डल्ला को कनाडा की अदालत ने महज 30 हजार डॉलर के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। अर्श डल्ला पर भारत में 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें कई हत्याओं और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इस फैसले ने एक बार फिर कनाडा में खालिस्तान समर्थक आतंकियों के प्रति सहानुभूति को उजागर किया है। अर्श डल्ला, जो कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य था, अब अपने पुराने सहयोगियों से जानी दुश्मनी बना चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। भारत सरकार अर्श डल्ला के प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से बातचीत की तैयारी कर रही थी, लेकिन अदालत से जमानत मिल जाने के बाद मामला और जटिल हो गया है।

कनाडा में गिरफ्तारी, फिर जमानत : भारत में आतंकी गतिविधियों में लिप्त अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने 28 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख है और पंजाब के युवाओं को कनाडा बुलाकर आतंकवाद में शामिल करने का आरोप है। पुलिस को उसके पास से कई हाईटेक हथियार भी मिले थे, जिससे उसकी आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अर्श डल्ला पर आरोप है कि वह भारत में हत्याओं और वसूली के मामलों में भी सक्रिय रहा है और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ उसका संपर्क रहा है। भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाकर इन मामलों में उसकी जांच करना चाहती हैं।

गोलीबारी और गिरफ्तारी की कहानी : 28 अक्टूबर 2024 की रात कनाडा में एक गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अर्श डल्ला घायल हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, वह अपने साथी गुरजंत सिंह के साथ कार में जा रहा था, तभी कार में रखी बंदूक से एक्सिडेंटली गोली चल गई। गोली डल्ला के दाहिने हाथ में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डल्ला ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी से पहले एक झूठी कहानी सुनाई थी, जिसमें उसने खुद पर हमले का दावा किया था।

भारत के लिए खतरा : अर्श डल्ला का पूरा नाम अर्शदीप डल्ला है और वह पंजाब के मोगा जिले का निवासी है। भारत में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह कनाडा में बैठकर भारतीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल करता है और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिलवाता है। भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियां उसे गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तत्पर हैं।

सीरिया में रूस ने भी उतार दी सेना, अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले ही विद्रोही सीरिया के सबसे बड़े शहर में घुसे थे, जहां उन्हें सरकारी सैनिकों की ओर से बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। सीरिया के सशस्त्र बलों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अलेप्पो पर बड़े हमले का मुकाबला करने और लोगों की जान बचाने के लिए, उन्होंने फिर से सैनिकों की तैनाती की है और जवाबी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बयान में स्वीकार किया गया कि विद्रोही शहर के बड़े हिस्से में घुस आए हैं। द्रोहियों को पुलिस मुख्यालय, शहर के केंद्र और अलेप्पो में उनके पुराने गढ़ के बाहर देखा गया। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ को जला दिया। यह घटनाक्रम असद के लिए शर्मिंदगी का

सबब बन गया है, जो 2016 में शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहे थे। उस वक्त उन्होंने एक भीषण सैन्य अभियान के बाद विद्रोहियों और हजारों नागरिकों को इसके पूर्वी इलाकों से खदेड़ दिया था, जिसमें उनकी सेनाओं को रूस, ईरान और उसके सहयोगी समूहों का समर्थन प्राप्त था। अलेप्पो पर तब से विद्रोहियों ने हमला नहीं किया है। 2016 में अलेप्पो के लिए हुई लड़ाई सीरियाई सरकारी बलों और विद्रोही लड़ाकों के बीच युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जब 2011 में असद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गया था। विद्रोही गुट के एक लड़ाका अली जुमा ने कहा, मैं अलेप्पो का बेटा हूं। आठ साल पहले हमें यहां से निकाल दिया गया था। अब हम फिर लौट आए हैं और बहुत अच्छा लग रहा है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, सोमवार 02 दिसम्बर 2024

टीआरएस कॉलेज के समाज कार्य विभाग और युवक रेड क्रॉस इकाई द्वारा आईक्यूएसी फ्लैगशिप स्कीम ''चेतना'' के अंतर्गत छात्रों के लिए चित्रकूट में अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। छात्रों ने कामतानाथ स्वामी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।

सोहागी घाटी में दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें : कमिश्नर

संभागीय सड़क सुरक्षा समिति में दुर्घटनाएं रोकने के लिए दिए गए सुझाव

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग में फोरलेन सड़कों का विकास होने के साथ दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। कई घाटियाँ और अंधे मोड़ दुर्घटना के केन्द्र बन गए हैं। इनमें सड़क दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें। सोहागी घाटी में आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जनवरी माह में प्रयागराज में कुंभ मेला आयोजित किया जा रहा है। इस समय घाटी में वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ जाएगी। सोहागी घाटी में सड़क दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें। फोरलेन में घाटी उतरने वाली सड़क में 30-30 मीटर के अंतर पर रंबल स्पीड ब्रोकर बनाएं। घाटी में कई स्थानों पर चालकों को जागरूक करने के लिए संकेतक और चेतावनी बोर्ड लगाएं। साथ ही टोल प्लाजा में पुलिस अथवा यातायात कर्मी रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक तैनात रखें जो घाटी उतरने वाली गाड़ियों के ड्राइवरों को सचेत करें।

कमिश्नर ने कहा कि सतना जिले की बगदरा घाटी, रीवा और सीधी के बीच स्थित छुहिया घाटी तथा बरदहा घाटी में पर्याप्त संकेतक लगाएं। इन घाटियों में 15 दिन की समय सीमा में सड़कों में सुधार कराएं। यातायात नियमों का पालन करने के लिए संभाग के सभी जिलों में लगातार जागरूकता अभियान चलाएं। केवल जुमनि की कार्यवाही से दुर्घटनाओं पर रोक नहीं लगेगी। बैठक में आईजी महेन्द्र सिंह सिकरवार ने कहा कि सभी स्कूली बसों में सुरक्षा प्रबंधों की नियमित जाँच करें। पुलिस, यातायात विभाग तथा नगरीय निकाय मिलकर शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटाने एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयास करें। बैठक में डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण सड़कें जिन स्थानों पर हाईवे से मिलती हैं उनमें 10 मीटर पहले स्पीड ब्रोकर अनिवार्य रूप से बनाएं। प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान बड़ी संख्या में वाहन रीवा जिले से गुजरेंगे। वाहनों का दबाव मेला क्षेत्र में होने पर चाकघाट में वाहनों को रोकने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी करनी होगी।

बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्री त्रिपाठी ने बताया कि संभाग भर में 1978 वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई। किराया सूची न होने पर 148 बसों पर जुर्माना लगाया गया। जीपीएस तथा पेनिक बटन न होने पर 112 स्कूल बसों पर जुर्माना लगाया गया। इनमें से 25 बसें जब्त की गईं। बैठक में एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक उमेश सिंह ने बताया कि सोहागी घाटी में सुधार के लिए 18 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। बरदहा घाटी को भी टू लेन बनाने तथा तीखे मोड़ समाप्त करने का कार्य मंजूर हो गया है। बैठक में रोड सेफ्टी ऑडिट, ड्राइवरों के स्वास्थ्य परीक्षण तथा सड़कों के सुधार के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कमिश्नर अरूण परमार, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा परिवहन अधिकारी उपस्थित रहे।

मप्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव संकल्पित: शुक्ल

मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उनके सफल ब्रिटेन एवं जर्मनी दौरे के लिए बधाई दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह दौरा प्रदेश में निवेश आकर्षित करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भूमि, बिजली और कर संबंधी सुविधाएं दी हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और उद्योग हब विकसित किए हैं। हर क्षेत्र के विकास के लिए वहां की विशेषताओं और क्षमता का पूरा उपयोग करने की रणनीति बनाई है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वास जताया कि यह यात्रा मध्यप्रदेश में निवेश का नया युग शुरू करेगी। यह प्रदेश के अद्वितीय विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश समग्र विकास के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है। प्रदेश में क्षेत्रीय क्षमताओं और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए ठोस योजनाएं बनाई जा रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने उद्योग-अनुकूल नीतियां लागू की हैं और व्यापार सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) को प्राथमिकता दी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश आज निवेश के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हमने न केवल निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है, बल्कि प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को रोजगार के नए अवसरों में तब्दील करने का लक्ष्य रखा है। यह प्रदेश की प्रगति को नया आयाम देगा और युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित करेगा।

समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन आज से होगा शुरू

किसानों से 2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगा धान का उपार्जन

रीवा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन दो दिसम्बर से शुरू किया जा रहा है। धान उपार्जन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवड़े बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 78 केन्द्र स्थापित कर दिए गए हैं। जिले में 64243 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया है। इनका सत्यापन किया जा चुका है। धान उपार्जन के लिए तहसील गुढ़ में 6, जवा में 5, त्योंथर में 19, मनगवां में 10, रायपुर कर्चुलियान में 7, सेमरिया में 8, सिरमौर में 10, तहसील हुजूर में 15 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। अधिकांश गोदाम में ही खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं जिससे उपार्जित धान का तत्काल भण्डारण हो सके। प्रभारी कलेक्टर ने बताया कि एफएक्यू धान के लिए 2300 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। धान खरीदी के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में तौल कांटे एवं बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से धान का उपार्जन किया जाएगा। पंजीकृत किसान अपनी धान बेचने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से दिनांक और समय का निर्धारण करके स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुकिंग की सुविधा आरंभ हो गई है। धान का उपार्जन करने के लिए खरीदी केन्द्र आते समय किसान असुविधा से बचने के लिए अपने पंजीयन की रसीद, स्लॉट बुकिंग पावती, आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल अपने साथ रखें। उपार्जन केन्द्र प्रभारी तथा किसान द्वारा बायोमेट्रिक अथवा ओटीपी सत्यापन के बाद ही खरीदी की पावती जारी होगी। इसे किसान अपने पास सुरक्षित रखें। प्रभारी कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक को सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

विकास कार्यों में आवश्यक अनुमति मिलने पर ही वन भूमि का उपयोग करें : कमिश्नर

वन व्यवस्थापन से ही राजस्व-वन भूमि सीमा विवाद समाप्त होंगे : मुख्य वन संरक्षक

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में वन व्यवस्थापन पर चर्चा की गई। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में अधोसंरचना विकास के कई बड़े निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। आवश्यक होने पर निर्माण कार्य में वन भूमि का उपयोग भी आवश्यक अनुमति के बाद किया जा रहा है। निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए वन भूमि में निर्माण कार्य के लिए समय पर आवेदन करें। वन विभाग के अधिकारी भी इनका सहयोग करते हुए समय पर अनुमति प्रदान करें जिससे विकास कार्य में किसी तरह की बाधा न आए। हाल ही में सिंगरौली जिले में रेलवे लाइन निर्माण में वन भूमि के उपयोग पर रीवा जिले में 142 हेक्टेयर जमीन वन विभाग को दी गई है। निर्माण कार्यों में वन भूमि का वहीं उपयोग किया जा रहा है जहाँ अति आवश्यक होगा। राजस्व तथा वन विभाग के अधिकारी समन्वय से वन व्यवस्थापन की कार्यवाही करें। इसके लिए एसडीएम स्तर तक लगातार बैठकें आयोजित करनी होगी। वन विभाग सभी एसडीएम को वन व्यवस्थापन से जुड़े अभिलेख उपलब्ध करा दें। इन पर मौके पर जाकर वन और राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करके अंतिम रूप से सीमा का निर्धारण करेंगे। वन-राजस्व भूमि सीमा विवाद समाप्त करने का यही अंतिम उपाय है।

बैठक में मुख्य वन संरक्षक राजेश राय ने कहा कि रीवा संभाग के सभी 6 जिलों में 538 वन खण्ड हैं। इनमें रीवा और मऊगंज जिले में 42, सतना और मैहर जिले में 88, सीधी जिले में 294 तथा सिंगरौली जिले में 114 वन खण्ड हैं। इनमें तीन लाख 74 हजार 956 हेक्टेयर वन भूमि है। वन व्यवस्थापन 1927 और 1937 में किया गया। मध्यप्रदेश के गठन के बाद 1967 में वन क्षेत्र घोषित करने के लिए धारा 4 में अधिसूचना जारी की गई। लेकिन धारा 5 से 19 तक की कार्यवाही पूरी न होने के कारण वन व्यवस्थापन अंतिम रूप से नहीं हो सका। शासन द्वारा एसडीएम को वन व्यवस्थापन अधिकारी बनाया गया है। उन्हें वन विभाग आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएगा। वन और राजस्व विभाग के अधिकारी मिलकर वन व्यवस्थापन का प्रयास करें। वन व्यवस्थापन से ही राजस्व और वन भूमि सीमा विवाद का निराकरण होगा। विकास कार्यों के लिए वनाधिकार अधिनियम के तहत एक हेक्टेयर तक वन भूमि में निर्माण कार्यों की अनुमति वन मण्डलाधिकारी जारी करते हैं। इससे अधिक भूमि होने पर परिवेश पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने पर ऑनलाइन ही अनुमति प्राप्त होती है।

एड्स जागरूकता रैली को दिखाई गई हरी झण्डी

रीवा

एचआईव्ही एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा एड्स के साथ जी रहे व्यक्तियों के प्रति सामाजिक भेदभाव और भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय में सीएमएचओ डॉ संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ एमएल गुप्ता एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी आरबी चौधरी ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर में बिछिया, एसएएफ चौराहा, गुढ़ चौराहा, धोबिया टंकी, प्रकाश चौराहा होते हुए रानी तालाब ने काली माता मंदिर के पास संपन्न हुई।

रैली में टीडी नर्सिंग कालेज, लार्ड बुद्धा नर्सिंग कालेज तथा सौदामिनी नर्सिंग कालेज की छात्राओं एवं अध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अपील की कि दो दिसम्बर को आयोजित होने वाले वृहद रक्तदान शिविर में बढ़चढ़ कर रक्तदान करें।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री आज रीवा प्रवास पर

रीवा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह रेवांचल एक्सप्रेस से 2 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे रीवा पहुंचेगी तथा प्रातः 11 बजे स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के उपरांत अपरान्ह 3 बजे चितरंगी रवाना हो जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा रवाना होकर 2 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे रीवा आएंगे। तदुपरांत स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री शुक्ल दोपहर 2 बजे अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे।

रीवा में आज होगा वृहद रक्तदान शिविर

कमिश्नर ने की रक्तदान की अपील

रीवा। कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 2 दिसम्बर को सुबह 10.30 बजे से वृहद रक्तदान शिविर का आयोजित किया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने आमजनता से शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की है। कमिश्नर ने कहा है कि 18 से 50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति प्रत्येक 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति के प्राण बचाने के काम आयेगा। हर व्यक्ति स्वयं रक्तदान करके शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही अन्य लोगों के लिये प्रेरित करें। रक्तदान करने से हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। रक्तदान शिविर के लिये सामाजिक संगठन तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायें। जिले में नियमित अंतराल से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे। कई बार समय पर रक्त प्राप्त न होने से गंभीर रोगियों के प्राण संकट में पड़ जाते हैं। शरीर से जितना रक्त बाहर निकलता है उसका निर्माण कुछ ही दिनों में पुनः हो जाता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति 45 दिनों के अंतराल से नियमित अंतराल कर सकता है। जब हम रक्तदान करते हैं तो हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण होता है।

समूह नलजल योजनाओं का कार्य 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूरा कराएं

पेयजल पाइप लाइन बिछाकर उस पर स्थाई संकेतक लगाएं : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि जल जीवन मिशन से स्वीकृत समूह नलजल योजनाओं का कार्य पूरा होने पर संभाग के हर गांव में नल से पानी की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। सभी समूह नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूरा कराकर आगामी गर्मियों में गांवों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सभी पूर्ण नलजल योजनाओं से 31 दिसम्बर तक शत-प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन देकर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। नलजल योजनाओं के निर्माण में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही करें। शासन की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक जल जीवन मिशन के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर साप्ताहिक बैठक में नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करें। ग्रामीण क्षेत्र में नलजल योजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पाइपलाइन बिछाने तथा टंकी निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं। इनके लिए आवश्यक भूमि भी निर्माण एजेंसी को उपलब्ध कराएं। ग्रामीण क्षेत्र में जहाँ पेयजल की पाइपलाइन बिछाई जा रही है उसके ऊपर निर्धारित अंतराल पर पक्के संकेतक लगाएं। जिससे भविष्य में होने वाले निर्माण कार्यों से पाइपलाइन को किसी तरह की क्षति न हो। सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों में भी नल के कनेक्शन अनिवार्य रूप से दें। पीएचई विभाग द्वारा निर्मित जो नलजल योजनाएं पूरी हो गई हैं उन्हें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराएं। जिन गांवों में पानी की नियमित आपूर्ति की जा रही है उनमें ग्राम जिला स्वस्छता समिति अथवा स्वसहायता समूह के सहयोग से जल कर की वसूली भी कराएं।

बैठक में अधीक्षण यंत्री पीएचई जेएस धुर्वे ने बताया कि संभाग की सभी समूह नलजल योजनाओं का कार्य 31 मार्च 2025 तक पूरा कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। रीवा बाणसागर, टमस योजना, सतना बाणसागर योजना, सीधी बाणसागर योजना का निर्माण कार्य जून तक पूरा होने की संभावना है। जल शोधन संयंत्र और पाइपलाइन का निर्माण कार्य पूरा हो गया तो अप्रैल माह से घरों में कनेक्शन देकर पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। टंकियों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। रीवा में कंदैला समूह नलजल योजना से 104 गांवों में तथा सतना बाणसागर समूह नलजल योजना से मैहर जिले में 117 गांवों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। जनवरी माह तक लगभग 400 गांवों में पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। बैठक में अपर कमिश्नर अरूण परमार, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यपालन यंत्री रीवा संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री सतना शरद सिंह, जल जीवन मिशन के जिला प्रबंधक चित्रांशु तथा जल निगम के अन्य अधिकारी और निर्माण कार्यों से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सूवधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें

- अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ

- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- गहन चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य कियोत्तर कक्ष

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833